बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र
रू0 6.5 लाख
(छः लाख पचास हजार)
में मकान खरीदने हेतु
सम्पर्क करें
मो0 9868944025
लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 184 | सोमवार, 23 अक्टूबर 2023, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

कभी बीजेपी को पुचकारते, तो कभी तेजस्वी पर प्यार लुटाते; नीतीश के मन में क्या चल रहा ?

● नीतीश कुमार जब अपने बयान की सफाई दे रहे थे तो उन्होंने तेजस्वी यादव के प्रति एक अभिभावक वाला स्नेह दिखाया। उन्होंने तेजस्वी यादव को बच्चा बताते हुए कहा कि अब यही हमारा सबकुछ है।

नई दिल्ली। जनता दल युनाइटेड भले ही बिहार में विधायकों की संख्या के मामले में तीसरे नंबर पर हो, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता आज भी बनी हुई है। यही कारण है कि उनके हर सियासी बयान की पटना से दिल्ली तक खूब चर्चा होती है। हाल ही में उन्होंने मोतिहारी में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति और राज्यपाल की उपस्थिति में बीजेपी नेताओं से उनकी दोस्ती अंतिम सांस तक चलने की बात कही थी। इसके बाद कयासों का दौर शुरू हो गया। लोग बीजेपी से उनकी नजदीकी का चर्चा करना लगे। इस मामले को तूल पकड़ता देख उन्होंने खुद इस मामले पर सफाई दी। हालांकि, उनकी सफाई ने एक और कयास को जन्म दे दिया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब अपने बयान की सफाई दे रहे थे तो उन्होंने तेजस्वी यादव के प्रति एक अभिभावक वाला स्नेह दिखाया। उन्होंने तेजस्वी यादव को बच्चा बताते हुए कहा कि अब यही हमारा सबकुछ है। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि इंडिया गठबंधन में अगर नीतीश कुमार को सम्मानजनक स्थान मिलता है तो आने वाले समय में बिहार में बड़े पैमाने पर सियासी फेरबदल देखने को मिल सकती है।

> हाल ही में उन्होंने मोतिहारी में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति और राज्यपाल की उपस्थिति में बीजेपी नेताओं से उनकी दोस्ती अंतिम सांस तक चलने की बात कही थी। इसके बाद कयासों का दौर शुरू हो गया। लोग बीजेपी से उनकी नजदीकी का चर्चा करना लगे। इस मामले को तूल पकड़ता देख उन्होंने खुद इस मामले पर सफाई दी। हालांकि, उनकी सफाई ने एक और कयास को जन्म दे दिया।

आपको बता दें कि बीजेपी से अलग होने और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ महागठबंधन बनाने के बाद नीतीश कुमार ने कई मौकों पर तेजस्वी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। उन्होंने विशेष रूप से यहां तक कहा कि जब बिहार में 2025 में विधानसभा चुनाव होंगे तो तेजस्वी यादव ही ग्रैंड अलायंस का नेतृत्व करेंगे।

इससे पहले उन्होंने गुरुवार को एक सार्वजनिक समारोह के दौरान भाजपा नेता राधा मोहन सिंह के साथ व्यक्तिगत दोस्ती का उल्लेख किया। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगीं कि यह भाजपा के साथ मतभेद सुधारने और अपने वर्तमान सहयोगियों राजद और कांग्रेस पर दबाव बनाने का एक प्रयास था।

इंडिया गठबंधन की परिकल्पना करने वाले नीतीश कुमार के बार में एक बात कहा जाता है कि ना तो वो किसी के परमानेंट दुश्मन हैं और ना ही परमानेंट दुश्मन। इसलिए वह दोनों ही खेमों के साथ अपने चैनल को खोलकर रखते हैं। जरूरत के हिसाब से उसका इस्तेमाल करते हैं।

ड्रग किंगपिन पर फडणवीस के हमले के बाद संजय राउत ने किया पलटवार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की ओर से ड्रग किंगपिन ललित पाटिल को लेकर ठाकरे गुट पर किए गए हमले पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, ... इस व्यक्ति (ललित पाटिल) का शिवसेना से कोई संबंध नहीं है। आपके मंत्रिमंडल में दादाजी भुसे नाम का एक आदमी है। वे उस व्यक्ति को शिवसेना में ले आए थे

और उसे अपना खास आदमी कहा था। उन्होंने कहा था कि वह आदमी भाजपा में जा रहा था लेकिन वे उसे यहां ले आए... वह कभी शिवसेना के सदस्य नहीं बने। राउत ने कहा कि फडणवीस को अपनी खुफिया जानकारी मजबूत करने के लिए कहें, अन्यथा हमास जैसी स्थिति पैदा हो जाएगी। इस्त्राइल ने सोचा कि उसकी खुफिया जानकारी मजबूत है, हमला कैसे कर सकता है... आप भी सोचते हैं कि आपकी बुद्धिमत्ता मजबूत है, लेकिन आप नहीं जानते कि आपकी पीठ पीछे क्या चल रहा है।

भारत ने संकटग्रस्त फिलिस्तानी नागरिकों के लिए भेजी 38 टन राहत व चिकित्सा सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने इजरायल-हमास संघर्ष के बीच फंसे फिलिस्तीन नागरिकों के लिए मानवीय सहायता भेजी है। भारतीय वायुसेना का सी-17 परिवहन विमान 32 टन राहत सामग्री और 6.5 टन चिकित्सा सहायता लेकर आज मिस्र से रवाना हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि फिलिस्तीन के लोगों के लिए लगभग 6.5 टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री लेकर आईएएफ का सी-17 परिवहन विमान मिस्र में एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ। सामग्री में आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, सर्जिकल सामान, तंबू, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, स्वच्छता सुविधाएं, जल शुद्धिकरण टैबलेट सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। हमास के हमले के बाद से इजरायल की प्रतिक्रिया के चलते गाजा पट्टी में रह रहे फिलिस्तीनी नागरिक वर्तमान में मानवीय संकट से गुजर रहे हैं।

नियुक्ति घोषणा विज्ञप्ति

संस्कार उजाला

श्री रविन्द्र कुमार शाही जी पुत्र सीता शरण शाही 15A F वलाक कंचनजंगा , अपार्टमेंट विभाग ,53 नौयडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश 201301 को भषटाचार उनमूलून अखिल भारत हिन्दू महासभा से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया जाता है! श्री शाही जी,की नियुक्ति अनुशंसा श्री डा, प्रोफेसर नीरन गौतम जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारत हिन्दू महासभा, एवं श्री अनिल त्रिपाठी जी एवं स्व, हिन्दू हदय सम्राट श्री आर के शर्मा जी जो आज हमारे बीच नहीं हैं अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं सस्कार उजाला के चीप सम्पादक एवं उनके छोटे भाई श्री महेश शर्मा जी सस्कार उजाला एवं मीडिया प्रभारी जी द्वारा संतुति करने पर श्री रविन्द्र कुमार शाही जी को तुरंत प्रभाव से भषटाचार उनमूलून सभा से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धोषित किया जाता है, श्री शाही रियल स्टेट की जानी पहचानी हस्ती है आम्रपाली ग्रुप के नाम से जो अब लारस रियल एस्टेट के नाम से है, श्री शाही जी कटर हिन्दू महासभा के सिपाही है और श्री हिन्दू

रत्न दामोदर दास वीरसावरक जी विचार धारा के व्यक्ति व्यवहार में हैं!

एमपी में मुस्लिम वोटरों का क्या है गणित, कितनी सीटों पर दबदबा; कांग्रेस-बीजेपी क्यों है बेकरार

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस की द्विदलीय राजनीति में मुस्लिम वोट का कारक भले ही उत्तर प्रदेश और बिहार जितना महत्व नहीं रखता, लेकिन अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में कांटे की टक्कर होने की स्थिति में कम से कम 22 सीट पर इस अल्पसंख्यक समुदाय के वोट अहम साबित हो सकते हैं। कांग्रेस से संबंध रखने वाली मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के समन्वयक मोहम्मद माहिर ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी का मत प्रतिशत कम से कम तीन से चार प्रतिशत बढ़ा, जिसके कारण वह भाजपा से थोड़ा आगे निकल गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ ने 2018 में कहा था कि अगर 90 फीसदी अल्पसंख्यक वोट पार्टी के पक्ष में आते हैं तो पार्टी सरकार बना सकती है। माहिर ने कहा, %%कमलनाथ की अपील पर अल्पसंख्यकों के वोट कांग्रेस को मिले और इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी की झोली में 10-12 सीट और जुड़ गईं, जिन्हें पार्टी 2008 और 2013 में जीतने में विफल रही थी। पूर्ववर्ती चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत (41.02 प्रतिशत)

कांग्रेस से (40.89 प्रतिशत) से थोड़ा अधिक रहा था, लेकिन कांग्रेस 230 सीट में 114 सीट पर जीत हासिल कर सबसे अधिक सीट हासिल करने वाली पार्टी बनी थी, जबकि भाजपा को 109 सीट मिली थीं। इसके बाद कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी, लेकिन कुछ विधायकों के दल बदल लेने के कारण 15 महीने बाद यह सरकार गिर गई थी।

यहां निर्णायक भूमिका में मुस्लिम वोटर

माहिर ने पीटीआई-भाषा से कहा, मध्य प्रदेश में जब मतदाता भाजपा से नाराज होते हैं, तो वे कांग्रेस सरकार को चुनते हैं और इसी प्रकार कांग्रेस से मतदाताओं के नाराज होने पर भाजपा की सरकार बनती है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक, मध्य प्रदेश में मुस्लिम आबादी सात फीसदी है जो अब संभवत- नौ-10 फीसदी होनी चाहिए। मुस्लिम वोट 47 विधानसभा सीटों पर अहम हैं लेकिन 22 क्षेत्रों में वे निर्णायक कारक हैं। उन्होंने बताया कि इन 47 सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 5,000 से 15,000 के बीच है, जबकि 22 विधानसभा क्षेत्रों में इनकी संख्या 15,000 से 35,000 के बीच है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि कांटे की टक्कर की स्थिति में 22 सीट पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। इन सीट में भोपाल की तीन, इंदौर की दो, बुरहानपुर, जावरा और जबलपुर समेत अन्य क्षेत्रों की सीट शामिल हैं।

जनक कुमार विष्णु कुमार जोशी तहसील अध्यक्ष नियुक्त

संस्कार उजाला

श्री जनक कुमार विष्णु कुमार जोशी जी ,गोगा शहरी राधनपुर पाटन गुजरात को गोगा शहरी राधनपुर तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है इनकी अनुशंसा श्री डा, तारा गिल जी राष्ट्रीय संगठन मंत्री जी श्री गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गौ रक्षक श्री देवराज जी रामा जी ठाकुर गौरक्षक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भषटाचार उनमूलून सभा अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं राष्ट्रीय युवा प्रभारी श्री ब्रिकम वैश्य जी एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री स्व आर के शर्मा जी, एवं संस्कार उजाला चीप सम्पादक जी जो अब इस संसार से विलिन हो गये है बहुत दुःख के साथ लिखना पड़ता है,के छोटे अनुज श्री चीप डारेक्टर सस्कार उजाला एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मीडिया प्रभारी अखिल भारत हिन्दू महासभा श्री महेश शर्मा जी की अनुशंसा से की गई है ! श्री जनकुमार विष्णु जोशी जी को

तहसील अध्यक्ष राधनपुर पाटन अहमदाबाद गुजरात नियुक्त किए जाने पर श्री जनककुमार जी को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश जिला कार्यकारिणी गुजरात की तरफ से एवं श्री जनककुमार जी की लम्बी आयु एवं स्वास्थ्य की कामना करते हैं और तहसील में समस्त हिन्दू जोड़कर एक इतिहास बनान

सत्ता पाने को लालायित कांग्रेस का 'लेफ्ट टर्न'

नागपुर। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने वामपंथी नेताओं की मदद से अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर रही है। पिछले कुछ दिनों से नागपुर समेत महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा हैं। कम्युनिस्ट और कांग्रेस के ऐसे गठजोड़ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आरोप कि कांग्रेस शहरी नक्सलियों द्वारा नियंत्रित है, एक बार फिर राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 25 सितंबर को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की रैली में कहा था कि कांग्रेस एक कंपनी बन गई है और पार्टी ने नीतियों, विचारों और योजनाओं को आउटसोर्स करना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि शहरी नक्सली कांग्रेस को चला रहे हैं। वामपंथियों के माध्यम से कांग्रेसियों का प्रशिक्षण प्रधानमंत्री के आरोप को बल देता है। कांग्रेस के कई नेता तो दबी आवाज में यह तक कहते हैं कि कांग्रेस का 'भारत जोड़ो अभियान' वामपंथियों की अवधारणा पर आधारित था।

कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया है तुषार गांधी और योगेन्द्र यादव ने नागपुर के कस्तूरबा भवन में कांग्रेस पदाधिकारियों की काउंसिलिंग की है। इस बीच कांग्रेस के भारत जोड़ो अभियान के तहत लोकसभा मिशन 24 नाम से प्रशिक्षण वर्ग की भी सुगबुगाहट तेज है। बताया गया है कि तीन दिवसीय ऑनलाइन एवं दो दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण रत्नागिरी एवं नागपुर में दिया जा चुका है। इसमें वामपंथी विचारकों ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए बूथ से लेकर विधानसभा क्षेत्र तक कैसी योजना बनाई जाए, यह समझाया है। इनको यह भी समझाया गया कि इसमें सरकार से असंतुष्ट लोग सहायक हो सकते हैं। इसलिए ऐसे लोगों को खोजकर मजबूत नेटवर्क खड़ा किया जा सकता है। इस नेटवर्क में युवाओं, विद्यार्थियों और मजदूरों को आसानी से जोड़ा जा सकता है, जिससे सरकार की नीतियों के खिलाफ अभियान चलाया जा सके।कानूनी विशेषज्ञों और सोशल मीडिया में सक्रिय लोगों को जोड़कर मकसद के करीब पहुंचा जा सकता है।

बताया गया है कि प्रशिक्षणार्थियों को भेजे गए संदेश में इसका उल्लेख खास तौर पर किया गया कि शिविर में योगेन्द्र यादव, शशिकांत सेंथिल, उल्का महाजन, संजय गोपाल आदि विशेषज्ञ मार्गदर्शक के रूप में मौजूद रहेंगे। इस गठजोड़ पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक एलटी जोशी कहते हैं कि जब कभी कांग्रेस और वामपंथी एक साथ आए तो देश को कुछ न कुछ नुकसान जरूर हुआ है। वामपंथियों ने 1967-68 में अल्पमत में फंसी इंदिरा गांधी सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया और बदले में सभी सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों पर कब्जा कर लिया। अब राहुल गांधी की कांग्रेस चीन की पहल और मदद से वामपंथियों के साथ मिलकर आगे बढ़ रही है। राजनीति में हर चीज का मूल्य होता है। और इस गठजोड़ की कीमत भारत और भारतीय समाज को चुकानी पड़ेगी।

आजम खान को सता रहा एनकाउंटर का डर, सीतापुर जेल भेजे गए; बेटा अब्दुल्ला हरदोई शिफ्ट

रामपुर। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में सात-सात साल की सजा पाए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम की जेल शिफ्ट की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक आजम को रामपुर से सीतापुर जेल और अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेजा जा रहा है। सुबह पांच बजे उन्हें रामपुर जेल से निकाला गया। इस दौरान आजम खान ने अपनी हत्या की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि हमारी हत्या भी कराई जा सकती है। कुछ भी हो सकता है।

बता दें कि इस मामले में आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा को भी सात साल की सजा सुनाई गई है। वह रामपुर जेल में ही रहेंगी। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में कोर्ट ने 18 अक्टूबर को आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को रामपुर जेल भेज दिया गया था। वहां रहने के दौरान उनकी कोरोना जांच कराई गई थी।

कल आजम खान के बड़े बेटे अदीब ने जेल में तीनों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि इस दौरान आजम खान भावुक हो गए थे। बताया जा

सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को रामपुर जेल भेज दिया गया था। वहां रहने के दौरान उनकी कोरोना जांच कराई गई थी।

रहा है कि शनिवार देर रात पुलिस प्रशासन को सपा नेता मोहम्मद आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को बाहर भेजने का आदेश मिल गया। इसके बाद रविवार सुबह सपा नेता मोहम्मद आजम खां को सीतापुर और अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेजा गया है। रविवार की सुबह पांच बजे के करीब आजम खान को जब जेल से निकाला गया तो उन्होंने कहा, हमारा एनकाउंटर भी कराया जा सकता है।

अदीब ने की तीनों से मुलाकात, खाने का सामान भी दिया

शनिवार दोपहर को रामपुर जेल पहुंचे आजम खान के बड़े बेटे अदीब ने पिता, भाई और मां से भी मुलाकात की। जेल में अदीब अपने साथ खाने का सामान और कपड़े भी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने तीनों को खाने का सामान भी दिया और करीब आधे घंटे से अधिक की मुलाकात के बाद वापस चले गए।

भारत के मन में रमते हैं श्रीराम

हृदयनारायण दीक्षित

रामलीला का रस सभी रसों का संगम है। राम और रावण भारतीय चिंतन के दो आयाम हैं। एक सिरे पर श्रीराम की अखिल लोकदायक विश्रामा अभिलाषा है, मयार्दा पालन की प्राथमिकता है। दूसरे छोर पर रावण की धन बल अहमन्यता है। श्रीराम और रावण के युद्ध में विजयश्री श्रीराम का वरण करती है। यह विजयश्री असाधारण है। श्रीराम वन गमन के समय माता कौशल्या से मिले थे। माता ने उनसे कहा था, 'मैं तुम्हे नहीं रोकूंगी। तुम जाओ। लेकिन पुत्र अमृत लेकर ही लौटना। मैं प्रार्थना करती हूं कि तुम्हारे द्वारा पढ़ा गया ज्ञान वन में तुम्हारी सहायता करे। देवता तुम्हारी रक्षा करें।' राम निर्धारित अवधि के बाद विजय अमृत लेकर ही लौटे।

भारत में विजयपर्व का उल्लास है। दिक्काल उत्सवधर्म से आच्छादित हैं। श्रीराम की लंका विजय की तिथि दो दिन बाद है। भारत का मन आनंद मगन हो रहा है। श्रीराम मंगल भवन हैं और अमंगलहारी। वे भारत के मन में रमते हैं। मिले तो राम राम, अलग हुए तो राम राम। राम का नाम हम सब बचपन से सुनते आए हैं। वे धैर्य हैं। सक्रियता हैं। परम शक्तिशाली हैं। भाव श्रद्धा में वे ईश्वर हैं। राम तमाम असंभवों का संगम हैं। मर्यादित आचरण के शिखर हैं। रामकथा के सभी प्रसंग मनभावन हैं। प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरक प्रसंग हैं। युद्ध में विजय की इच्छा रहती है। संसार तमाम संघर्षों से भरा पूरा है। भारतीय चिंतन में काम-क्रोध-लोभ को भी शत्रु बताया गया है। सांसारिक अंतर्विरोधों को शत्रु कहा गया है।

रामचरितमानस (लंका काण्ड) में कहते हैं कि, 'संसार शत्रु को दृढ निश्चयी रथ पर बैठ कर ही जीता जा सकता है।' रामचरितमानस (लंकाकाण्ड) में विजयश्री प्राप्ति के लिए एक सुंदर रथ का प्रतीक है। युद्ध शुरू होने को था। रावण रथ पर था। राम पैदल थे। यह देखकर विभीषण भावुक हुए। तुलसीदास ने लिखा, 'रावनु रथी बिरथ रघुबीरा। देखि बिभीषन भयउ अधीरा।' विभीषण ने राम से कहा कि आपके पास न रथ है न कवच है। आप विजयश्री कैसे पाएंगे। श्रीराम ने कहा विजय श्री दिलाने वाला रथ दूसरा है। शौर्य और धैर्य उस रथ के पहिये हैं। सत्य और शील की पताका है। बल, विवेक और इन्द्रिय निग्रह उस रथ के घोड़े हैं। घोड़े क्षमा की डोरी से रथ से जुड़े हुए हैं। ईश्वर भक्ति सारथी है। वैराग्य ढाल है। संतोष तलवार है। मन तरकश है। नीयम बाण हैं। श्रद्धा कवच है। तुलसी लिखते हैं, 'महा अजय संसार रिपु, जीति सकइ सो बीर। जाकें अस रथ होई दृढ़, सुनहु सखा मति धीर-जिसके पास ऐसा रथ है, इस संसार में वही विजय श्री पाता है।'

श्रीराम प्रतिदिन प्रतिपल उपास्य हैं। विजयादशमी व उसके आगे पीछे श्रीराम के जीवन पर आधारित श्रीराम लीला के उत्सव पूरे देश में होते हैं। श्रीराम भारत बोध में तीनों लोकों के राजा हैं। त्रिलोकीनाथ हैं। भारत व भारत के बाहर भी इंडोनेशिया आदि देशों में भी श्रीराम लीला होती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की रामलीला विख्यात है। वाराणसी देश की सांस्कृतिक राजधानी है। यहां की रामलीला दर्शनीय है। पूरे देश में रामलीला की परंपरा है। दुनिया के किसी भी देश में एक ही समयावधि में हजारों स्थलों पर ऐसे नाटक मंचन

नहीं होते। रामलीला में आनंद रस का प्रवाह है। रामलीला के रूप लगातार बदल रहे हैं।

यों सभी कलाएं मनोरंजन करती हैं। रामलीला मनोरंजन नहीं है। सभी नाटकों की एक कथा होती है। कुछ इतिहास से भी जुड़ी रहती है। लेकिन रामलीला की कथा काल्पनिक नहीं है। यह सत्य कथा है, प्रेरक है। मयार्दा इस ऐतिहासिक कथानक का केन्द्रीय विचार है। मूल रूप में नाटकों में भाव प्रवणता नहीं होती। नाटक का लेखक भाव अंश डालता है। नाटक के पात्र भाव प्रवणता का सृजन करते हैं। राम कथा के सभी पात्र भाव प्रवण हैं। इतिहास में हैं। संस्कृति में हैं। हम सब राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन, हनुमान, सुग्रीव आदि के प्रति आदर भाव से भरे पूरे हैं। राम कथा हमारे अंतरंग में रची बसी है। हम सहस्त्रों वर्ष से रामलीला के दरश परस में राम रसायन का पान करते आए हैं।

रामरसायन में आश्वस्ति है। रामलीला पुरातन राम कथा का पुरश्चरण है। यह कथा पुरातन है, नित्य नूतन है। रामलीला सिर्फ नाटक नहीं है। भारतीय संस्कृति का मधुमय प्रसाद है। भरत मुनि ने विश्व प्रतिष्ठ ग्रंथ नाट्यशास्त्र लिखा है। उन्होंने बताया है कि 'नाटक का मूल रस होता है'। राम कथा सभी रसों की अविरल धारा है। यूरोप के विद्वानों को रामलीला अपरिपक्व लगती है। एच. नीहस ने लिखा था कि, रामलीला 'थियेटर इन बेबी शोज' है। बचकाना प्रदर्शन है। दर्शक मंच पर चढ़ जाते हैं। अभिनेताओं के सजने संवरने वाले कक्ष में घुस जाते हैं।' ऐसा कहने वाले रामलीला में अभिनय के नियम खोजते हैं। वे राम कथा के प्रति भारतीय प्रीति पर ध्यान नहीं देते। सामान्य नाटकों में पात्र अपनी अभिनय कुशलता से दर्शकों के चित्त में भाव उद्दीपन करते हैं। रामलीला में भाव उद्दीपन पहले से ही विद्यमान है।

राम कथा मंदाकिनी है। वाल्मीकि तुलसी या कम्ब राम रसायन की रसधारा को शब्द देते हैं। रामलीला में ब्रह्म मनुष्य रूपधारी श्रीराम हैं। श्रीराम मनुष्य की तरह हर्ष विषाद में आते हैं। मनुष्य की तरह कर्तव्य पालन करते हैं। वे अभिलाषा रहित हैं। ब्रह्म अकारण है। उसकी कोई इच्छा नहीं। ब्रह्म का उद्भव ब्रह्म से हुआ। ब्रह्म सदा से है। यही राम रूप प्रकट होता है। वह कर्ता नहीं है। उसके सभी कृत्य लीला हैं। वह अभिनय करता है श्रीराम होकर। श्रीराम मयार्दा पालन करते हैं। उनके निर्णय स्वयं के विरुद्ध हैं। वे प्रतिपल तपते हैं, सीता निष्कासन अग्नि में तपने जैसा दुख है लेकिन राम मयार्दा पुरुषोत्तम हैं। रामलीला यही तप प्रस्तुत करती है। अभिनय की गुणवत्ता पर बहस का कोई अर्थ नहीं। भाव अर्थ रामकथा में है और यह कथा भारत के मन की वीणा है।

दुनिया की पहली रामलीला में ब्रह्म स्वयं राम का अभिनय करते है। यहां आदर्श अभिनय के सभी सूत्र हैं। आदर्श पितृभक्त। पिता की आज्ञा के अनुसार वन गमन। निषाद राज का सम्मान। अयोध्या से वन पहुंचे भरत को राजव्यवस्था के मूल तत्वों पर प्रबोधन। शबरी सिद्धा का सम्मान। वनवासी राम मोहित करते हैं। यह लीला राज समाज की मयार्दा से बंधी हुई है। पहली रामलीला मयार्दा पुरुषोत्तम का जीवन है। हम सब पहली लीला का अनुसरण अनुकरण करते हैं। आधुनिक रामलीला का आधार पहली वास्तविक रामलीला है। पहली रामलीला मौलिक है। आज की रामलीला पहली रामलीला का दोहराव है। पहली रामलीला का मुख्य पात्र परम सत्ता है।

कथित प्रगतिशील तत्व रामलीला को अतीत में ले जाने का नाटक बताते हैं लेकिन रामलीला अतीत की यात्रा नहीं है। यह इतिहास के अनुकरणीय तत्वों का पुनर्सृजन है। हम सबका जीवन भी नाटक जैसा है। संसार इस नाटक का स्टेज है। हम अल्पकाल में अभिनय करते हैं। पर्दा उठता है। खेल शुरू होता है। पर्दा गिरता है, खेल खत्म हो जाते हैं। रामलीला का रस सभी रसों का संगम है। राम और रावण भारतीय चिंतन के दो आयाम हैं। एक सिरे पर श्रीराम की अखिल लोकदायक विश्रामा अभिलाषा है, मयार्दा पालन की प्राथमिकता है। दूसरे छोर पर रावण की धन बल अहमन्यता है। श्रीराम और रावण के युद्ध में विजयश्री श्रीराम का वरण करती है। यह विजयश्री असाधारण है। श्रीराम वन गमन के समय माता कौशल्या से मिले थे। माता ने उनसे कहा था, 'मैं तुम्हे नहीं रोकूंगी। तुम जाओ। लेकिन पुत्र अमृत लेकर ही लौटना। मैं प्रार्थना करती हूं कि तुम्हारे द्वारा पढ़ा गया ज्ञान वन में तुम्हारी सहायता करे। देवता तुम्हारी रक्षा करें।' राम निर्धारित अवधि के बाद विजय अमृत लेकर ही लौटे। राम राज्य दुनिया की सभी राजव्यवस्थाओं का आदर्श है। आधुनिक काल के सबसे बड़े सत्याग्रही महात्मा गांधी ने आदर्श राजव्यवस्था के लिए राम राज्य को ही भारत का स्वप्न बताया था। श्रीराम नमस्कारों के योग्य हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

प्राकृतिक आपदाओं से सबक सीखें ?

भारत में कभी भूकंप तो कभी सुनामी व बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता है। जुलाई व अगस्त माह में कश्मीर से कन्याकुमारी तक बरसात का कहर रहा जिसमें हजारों लोग बेमौत मारे गए ल आपदाओं से सबक लेना चाहिए द्य दिल्ली एनसीआर में 1960 से लेकर 31 मार्च 2023 तक 675 भूकंप आ चुके हैं द्यसरकार को चाहिए कि इमारतो का निर्माण करने वाले बिल्डरों को आदेश दे की भीड़ःभाड़ वाले शहरों में भूकंप रोधी भवनों का निर्माण करना चाहिए। समय समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते ।हर त्रासदी के बाद भूकंप रोधी निर्माण की जरुरत पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है ।कुछ लोग भूकंपरोधी भवन नहीं बनाते है दस-दस मजिले बनवाते है लेकिन एक दिन ऐसी आपदाओं के कारण इन्ही घरों में जमीदोज हो जाते है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है ।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है ।शहरों में बिना मानको के इमारतों का निर्माण किया जा रहा है ।अगर सही मानको के मुताबिक निर्माण किया जाए तो जान-माल की रक्षा हो सकती है ।और होने वाली तबाही को कम किया जा सकता है मगर हादसों आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदा पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए कि भूकंपरोधी मकानों का निर्माण ही तबाही से बचा सकता है। केंद्र सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक शहरों में स्थित आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है ।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं ।देश में आज तक बडे-बड़े विनाशकारी भूकंपों के कारण लाखो लोग मारे जा चुके है ।प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक भूकंप जैसी आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके ।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए ।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके ।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय = पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।

चिंतन-मनन

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढकर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शापाङ्ग में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

तारीख पर तारीख नहीं, जल्द फैसला करें न्यायालय

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने अधीनस्थ न्यायालयों को जल्द फैसला करने के लिए दिशा निर्देश जारी किये हैं। ताकि लोगों का न्याय व्यवस्था पर विश्वास बना रहे। न्यायमूर्ति रवींद्र एस भट्ट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की संयुक्त पीठ ने निचली अदालतों के लिए 12 सूत्रीय दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कहा गया है कि इनका पालन कर जल्द से जल्द फैसले किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों से चर्चा कर प्रतिदिन सुनवाई करने की तारीख तय करने का निर्देश दिया है। ट्रायल कोर्ट 1 दिन में उतने ही मामलों में पेशी की तारीख तय करें, जितने वह सुन सकते हैं। समन तामील कराने और समयबद्ध तरीके से पेरवी से जुड़े हुए लोगों की गवाही की समीक्षा 30 दिन के अंदर लिखित बयान देने की समय सीमा तय की जाए। ट्रायल कोर्ट द्वारा समय-समय पर बार काउंसिल और बार एसोसिएशन के साथ चर्चा कर जागरूकता बढ़ाने, एक बार ट्रायल शुरू हो जाए तो उसकी नियमित सुनवाई की जाए, मुकदमे में देरी की संभावना हो तो स्थगन ना दिया जाए। यदि कोई एक पक्षकार स्थगन की मांग करता है, तो दूसरे पक्ष को विलम्ब की दशा में मुआवजा दिलवाया जाए। दोनों पक्षों के वकीलों की मौखिक दलील को सुनने के बाद तत्काल फैसला सुनाया जाये। 5 साल से अधिक लंबित मामलों की समीक्षा जिला न्यायाधीश और हाई कोर्ट के न्यायाधीश समय-समय पर करें। सभी हाईकोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए हैं ?कि 5 साल से ज्यादा पुराने मामलों की हर 2 माह में समीक्षा की जाए। पुराने मामलों के निपटारे के लिए हाईकोर्ट समुचित व्यवस्था करें। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो गाइडलाइन जारी की गई है, वह निसंदेह सराहनीय है। ट्रायल कोर्ट हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरह से जमानत के मामलों में तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख लगती रहती हैं। इसके संबंध में कोई भी दिशा निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने जारी नहीं किए हैं। वर्तमान स्थिति में ट्रायल कोर्ट जमानत देने से बचती हैं। हाईकोर्ट में अधिकांश मामले जमानत के लिए जाते हैं। हाईकोर्ट में भी जमानत के मामलों की कई बार पेशियां होती हैं। संवेदनशील मामले में हाईकोर्ट भी निर्णय लेने से बचती है। बार-बार जमानत के मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाते हैं। हाल ही में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बीच में कई बार जमानत जैसे मामले कई महीनो तक लंबित रहते हैं। इसी तरह प्रकरण में स्थगन लेकर उसे कई वर्षों और दशकों तक हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में लंबित रखा जाता है। अधिकांश मामले में स्थगन आदेश सरकार के किसी आदेश के खिलाफ लिया जाता है। इसमें सरकार और उन लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। जो पक्षकार आर्थिक दृष्टि से कमजोर होते हैं। वह कई वर्षों तक प्रताड़ित होते रहते हैं। उनके मामलों का फैसला दशकों तक नहीं होता है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को यह भी देखना होगा, कि स्वतंत्रता का अधिकार मौलिक अधिकारों में शामिल है। 90 दिन से अधिक यदि कोई व्यक्ति जेल में बंद है तो उसकी जमानत के बारे में त्वरित निर्णय लेने, जांच एजेंसी द्वारा समय पर चार्ज शीट पेश नहीं की जाती है, ऐसे मामले में सहानुभूति पूर्वक जमानत दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। इसी तरह जिन मामलों में न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किए गए हैं। उन मामलों की त्वरित सुनवाई तथा समय-सीमा के अंदर फैसला अनिवार्य रूप से किए जाने की व्यवस्था होनी चाहिए। ताकि स्थगन आदेश का दुरुपयोग रोका जा सके। दोनों पक्षों को सही समय पर सही न्याय मिले, यह ध्यान रखने की अपेक्षा न्यायालय से की जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्द फैसला हो, इसके लिए जो दिशा निर्देश जारी किए हैं, वह सराहनीय है। समय पर जब लोगों को न्याय मिलेगा तभी न्यायपालिका पर लोगों का विश्वास कायम रह सकेगा।

वैश्विकी : हमास और इस्त्रइल दोनों की हार

डॉ. दिलीप चौबे

गाजा के खंडहरों में अरब राष्ट्रवाद की बुलंद इमारत की नींव पड़ गई है। बमबारी और खूनखराबे का जब यह दौर खत्म होगा तब इस्त्रइल और हमास हारे हुए खिलाड़ी साबित होंगे। उग्रवादी संगठन हमास की हिंसक कार्रवाइयों का पुरजोर विरोध करने के बावजूद यह हकीकत स्वीकार करनी होगी कि उसके लड़ाकुओं ने अजेय माने जाने वाली इस्त्रइली सेना के दांत खट्टे कर दिए। स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीन का भविष्य हमास नहीं है। लेकिन फिलिस्तीन लोगों का जुझारूपन और जिजीविषा एक नए भविष्य का निर्माण कर सकती है। इस संघर्ष में सबसे बड़ी हार इस्त्रइल और उसके समर्थक देशों की हुई है। पश्चिमी एशिया में अरब राष्ट्रवाद का पुनर्जन्म हुआ है जो इस क्षेत्र को आतंकवाद और मजहबी कट्टरता से निजात दिला सकता है। साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद के लिए सबसे बड़ा खतरा राष्ट्रवाद साबित होता है। किसी समय साम्यवादी विचारधारा यह भूमिका निभाती थी लेकिन सोवियत संघ के विघटन के बाद यह विकल्प प्रभावहीन साविब हुआ। यहां तक कि साम्यवादी देश चीन भी कन्फ्यूशियस और राष्ट्रवाद के आधार पर अमेरिका का विरोध कर रहा है।

पश्चिमी एशिया पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों की राय है कि इस क्षेत्र में अरब राष्ट्रवाद की जो लहर सामने आई है वैसा 1948, 1967 और 1973 के अरब-इस्त्रइल संघर्ष के दौरान भी सामने नहीं आई थी। उस दौर में कच्चे तेल को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया था लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों की कुटिल नीति के कारण एक के बाद एक अरब देश घुटने टेकने लगे। हाल के दशकों में अमेरिका और पश्चिमी देशों ने अरब राष्ट्रवाद को कमजोर बनाने के लिए मजहबी कट्टरता और जेहाद में विश्वास रखने वाले आतंकवादी गुटों को प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन मुहैया कराया। यहां तक कि फिलिस्तीन के राष्ट्रवादी नेता यासिर अराफात और उनके संगठन फिलिस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) के खिलाफ हमास को खड़ा किया गया। अलकायदा, आईएसआईएस और कश्मीर के आतंकवादी संगठनों को भी एक समय पश्चिमी देशों की सरपरस्ती हासिल रही।

शनिवार को मिस्त्र के राष्ट्रपति अल-सिसी ने काहिरा में फिलिस्तीन के घटनाक्रम पर एक अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन का आयोजन किया। अल-सिसी और जार्डन के शासक शाह अब्दुल्ला ने गाजा की तबाही के लिए इस्त्रइल और उनके समर्थक देशों को दोषी ठहराया। उन्होंने यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों के सख्त रवैये की ओर संकेत करते हुए कहा कि फिलिस्तीन लोगों के दुख-दर्द के बारे में यह देश मौन है। उन्होंने फिलिस्तीनी लोगों को गाजा से जबरन मिस्त्र और जार्डन भेजने की इस्त्रइली साजिश का भी विरोध किया। राफा मार्ग न खोलने के पीछे मिस्त्र का यही तर्क है।

इस्त्रइल के लिए खतरे की घंटी यह है कि अरब देश अब सामूहिक रूप से एक ऐसे स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना की वकालत कर रहे हैं जिसकी सीमाएं 1968 के युद्ध के पूर्व की स्थिति पर आधारित हों। अरब देशों की यह मांग गाजा ही नहीं बल्कि पश्चिमी किनारे के फिलिस्तीनी भू-भाग को इस्त्रइली चंगुल से मुक्त करती है। इस क्षेत्र में इस्त्रइल द्वारा बसाई गई बस्तियों को भी हटाना पड़ेगा। यह देखना होगा कि अरब नेता अपनी एकता को किस सीमा तक कायम रखते हैं तथा अपनी मांगों को पूरा करने के लिए किस सीमा तक अमेरिका और पश्चिमी देशों पर दबाव बनाते हैं।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात तथा इस्त्रइल के बीच मेल-मिलाप के लिए भारत को साधने की कोशिश की है। इसी क्रम में आई टू यू टू (इंडिया, इस्त्रइल और अमेरिका संयुक्त अरब अमीरात) कूटनीतिक प्रक्रिया की शुरूआत हुई है। अमेरिका ने भारत, सऊदी अरब, जार्डन और इस्त्रइल होकर यूरोप तक जाने वाले परिवहन मार्ग की महत्त्वाकांक्षी योजना घोषित की है। इस्त्रइल के खिलाफ अरब देशों के रोष को देखते हुए अब इस कूटनीतिक कवायद पर सवालिया निशान लग गया है। यह भारत के लिए एक झटका माना जा सकता है लेकिन फिलिस्तीन के लोगों की न्यायसंगत मांगों का हमेशा समर्थक रहे भारत को इसका मलाल नहीं होगा।

काशी की देव दीपावली को रौशन करेंगे

गोरखपुर के "हवन दीप"

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

लखनऊ। देवाधिदेव महादेव के त्रिशूल पर पतित पावनी गंगा के किनारे बसी काशी। इसका शुमार दुनिया के प्राचीनतम नगरों में होता है। कहा गया है, काशी तीनों लोकों से न्यारी है। काशी ही नहीं यहां की हर चीज बाकी जगहों से न्यारी है। लोग, अड़ी, होली और दीपावली भी। यूं तो काशी वर्ष पर्यंत उल्लसित रहती है पर यहां के कुछ आयोजन बेहद विशिष्ट माने जाते

हैं। इन्हीं में से एक है "देव दीपावली" जिसका आयोजन दीपावली के बाद होता है। काशी में "देव दीपावली" के खास अवसर पर इस बार कुछ रौशनी और ढेर सारी खुशबू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर के "हवन दीपों" की भी होगी। ये "हवन दीप" देशी गाय के गोबर से से बन रहे हैं। इसके लिए सिद्धि विनायक वूमेन स्ट्रेंथ सोसाइटी की संगीता पांडेय को प्रदेश के एमएसएमई विभाग की ओर से संचालित यूपी डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से ऑर्डर मिला है। हवन दीप देशी गाय के गोबर से ही क्यों? इस सवाल पर संगीता का कहना है कि विदेशी नस्ल की गायों की गोबर की तुलना में देशी का गोबर टाइट होने की वजह से इसे शेप (आकार) देना आसान होता है।

सीएम ने किए हनुमानगढ़ी व रामलला के दर्शन-पूजन

संस्कार उजाला, सचिन शर्मा

लखनऊ/अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अयोध्या पहुंचे। यहां पहुंचने पर रामकथा पार्क पर उनका स्वागत किया गया। यहां से सीएम सीधे हनुमानगढ़ी मंदिर गए और संकटमोचन हनुमान के चरणों में शीश झुकाया। यहां से मुख्यमंत्री सीधे रामलला के दर्शन करने पहुंचे। यहां भी सीएम ने मयार्दा पुरुषोत्तम की पूजा-अर्चना की।

शारदीय नवरात्रि के सप्तमी तिथि पर अयोध्या पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम श्रीराम जन्मभूमि परिसर का अवलोकन किया। यहां उन्होंने श्रमिकों का हालचाल जाना। इसके बाद वे जन्मभूमि कार्यों की प्रगति से रूबरू हुए। इस दौरान ट्रस्ट के पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

छात्र छात्राओं ने नवरात्रि पर्व पर किया मां भगवती का सजीव चित्रण

संस्कार उजाला, अजय कुमार

कसया, कुशीनगर। हाटा विकास खण्ड के कंपोजिट विद्यालय पतया के बच्चों द्वारा नवरात्र के सप्तमी तिथि को कालरात्रि माता कालिका और शंकर जी का,बच्चों के द्वारा सजिव मंचन कर अपने अपने कला कौशल दिखा कर सबको मन मोह लिया बच्चों के इस कला कौशल को देखकर सभी बच्चों और शिक्षकों ने सराहा। बता दें कि विद्यालय के पढ़ने वाले छात्र छात्राओं ने नवरात्रि के अवसर पर मां भगवती का दरबार लगा कर उनके स्वरूपों का वर्णन संजीव मंचन किया। मंचन करने वाले छात्र कक्षा सात की छात्रा कुमारी संजीवनी काली जी व कुमारी, साहिब शंकर जी का सजीव चित्रण किया का रोल प्ले करने वाले बच्चों ने माता कालिका का, शंकर जी के रूप के बारे में बताया। जिससे बच्चों में काफी खुशी और उल्लास देखा गया। इस अवसर पर मुमताज अली, कमलेश गुप्ता, गुलमोहमद, नाजीया, नसीमा, आदि मौजूद रहे।

पीड़ितों को न्याय दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता: गिरिजेश उपाध्याय

संस्कार उजाला

कसया, कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देश के क्रम में नवागत प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश उपाध्याय ने बतौर थानाध्यक्ष कसयानवागत थानाध्यक्ष गिरिजेश उपाध्याय ने संभाला कसया थाना का कार्यभार का कार्यभार ग्रहण कर किया। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। नवागत थानाध्यक्ष श्री

उपाध्याय ने कहा कि कानून व्यवस्था को कायम रखना पहली प्राथमिकता है। सुशासन व अपराध मुक्त समाज की स्थापना का प्रयास होगा। पीड़ितों की समस्याओं को सुनकर निष्पक्ष रूप से समय से उन्हें न्याय दिलाया जाएगा। थाना क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाया जाएगा और जनता पुलिस के बीच समन्वय स्थापित किया जायेग और हर फरियादी को न्याय दिलाया जाएगा। थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त रखने, शांति व्यवस्था का पूर्ण प्रयास किया जाएगा। अपराधिक प्रवृति के लोगो को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की रात्रि गश्त पहले से और अधिक तेज किया जाएगा। पुलिस जनता की सुरक्षा व जनता के लिए सदैव तत्पर है। थानाध्यक्ष श्री उपाध्याय ने अपने मातहतों के साथ बैठक कर सबका परिचय जाना व क्षेत्र की गतिविधियों के बारे मे जानकारी ली। उनसे सलाह ली और आवश्यक निर्देश दिए।

चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । मोहल्ला सुभाष नगर मैं कात्यायिनी माता के छटवें नवरात्रे को धर्मबीर पुत्र रामप्रसाद ने अपने घर माता रानी का भव्य दरबार सजाकर माता रानी की ज्योति प्रचण्ड कराई !जहाँ माता रानी के दरबार मैं बैठे सभी भक्तों ने माँ भगवती का आशीर्वाद प्राप्त कर सुन्दर भजनों के साथ सुन्दर सुंदर झाकियों का भी आनंद उठाया !जिसमें राधा कृष्ण भोले पार्वती की झांकी के साथ साथ माँ काली का विकराल रूप भी दिखाया गया !माता रानी का गुणगान खुशी जागरण मंडल के कलाकारों द्वारा किया गया !पार्टी मैं आई लेडीज कलाकार खुशी रानी ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है के जैसे भजनों को गाकर सभी भक्तों का मन मोह लिया !सुबह को माता शेरोवाली की झांकी भी निकाली गई ! जिसमें सभी भक्तों ने माता के चरणों का आशीर्वाद प्राप्त किया फिर हलवा चने के प्रसाद का भोग लगा माता रानी को विदा किया गया !और भक्तों को भी प्रसाद वितरण किया !

कबड्डी बालक वर्ग में सेमरा झुंगवा विजेता व सोनबरसा डीह उप विजेता

संस्कार उजाला, दिनेश शर्मा

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पकवाइनार डुमरी के प्रांगण में न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजित हुआ। शनिवार को हुए प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग कबड्डी में पूर्व माध्यमिक विद्यालय सेमरा झुंगवा विजेता तो सोनबरसाडीह की टीम उपविजेता रही। जूनियर बालिका वर्ग में सोनबरसाडीह विजेता व सेमरा झुंगवा उपविजेता रही। खो खो प्राथमिक स्तर पर बालक वर्ग में शामपुर व बालिका वर्ग में पकवाइनार डुमरी विजेता रहे। लंबी कूद बालक प्राथमिक स्तर पर सोनबरसाडीह के वाहिद अली विजेता तो जुगनू सेमरा झुंगवा के उपविजेता रहे।बालिका वर्ग में शामपुर की सोनी गोड़ विजेता तो सेमरा झुंगवा की रोशनी उपविजेता रही। लंबी कूद जूनियर बालक में विरेन्द्र राजभर तो बालिका वर्ग में नंदिनी गुप्ता विजेता रही। ऊंची कूद में रितेश सिंह विजेता व आरिफ उपविजेता रहे। जूनियर स्तर बालकों के 100 मीटर दौड़ में सेमरा झुंगवा के विरेन्द्र प्रथम तो सोनबरसाडीह के समीर अली द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर में विरेन्द्र विजेता तो अतुल उपविजेता रहे। जूनियर बालिका वर्ग के 100 मीटर दौड़ में नंदिनी गुप्ता विजेता तो शमा उपविजेता रही। 200 मीटर में रंजना गुप्ता विजेता तो रेहाना उपविजेता रही। इससे पूर्व मुख्यअतिथि नगरपालिका परिषद कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल व विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख हाटा प्रतिनिधि सुधीर राव द्वारा संयुक्त रूप से झंडी दिखा कर खेल के का उद्घाटन किया गया। खेल प्रतियोगिता का संचालन ब्लाक व्यायाम शिक्षक संजय सिंह, उदयभान सिंह, अमला प्रसाद व सुशील शर्मा के द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन आयोजक अजय सिंह व रत्नेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर राजेश शुक्ल मंडल अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, ब्लाक अध्यक्ष महेश रज्जक, नीरज श्रीवास्तव पुष्पा मिश्रा, चंद्रकला पाण्डेय, रीना पाण्डेय, अतीक अहमद, जया तिवारी, ज्ञानचंद कुशवाहा, मृत्युंजय मिश्रा, प्रभात चतुवेर्दी, आशुतोष यादव, अशोक पाण्डेय, सुभाष वर्मा, सतीश पासवान, प्रमोद चतुवेर्दी, इंदू सिंह, राधिका गुप्ता, मधुलिका तिवारी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश, विनय प्रकाश तिवारी, शिवेन्द्र सिंह, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

माता-पिता विकलांग बच्चों को बोझ ना समझे उनकी मुस्कुराहट को बरकरार रहने दें हीन भावना ना पनपने दें: जिलाधिकारी

संस्कार उजाला, मोहित कुमार

अमरोहा। जनपद अमरोहा के ब्लॉक संसाधान केन्द्र नारंगपुर में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत एल निको कानपुर के सहयोग से शारीरिक मानसिक एवं दृष्टि बाधित बच्चों को ट्राई साइकिल व्हीलचेयर कान की मशीन सहित अन्य सहायक उपकरण उपकरण का वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अधिकारी राजेश कुमार ने ने दीप प्रज्जवलन व मां सरस्वती जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा दिव्यांग बच्चों को ट्राई साइकिल व्हीलचेयर कान की मशीन सहित अन्य सहायक उपकरण का वितरण कर विकलांग बच्चों एवं उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दिया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हुये कहा कि विकलांग बच्चे अपने को सामान्य बच्चों से कम ना समझे वह किसी भी कीमत पर उन बच्चों से कम नहीं है केवल संभावनाओं को तलाशने की जरूरत है। आपके अंदर जो क्षमता है उस क्षमता से आप बडा से बड़ा काम कर सकते हैं ।स्टीफन हॉकिंग का उदाहरण देते हुए कहा कि विकलांग बच्चों को केवल अच्छी सुविधा और ध्यान देने की जरूरत है वह सामान्य बच्चों से बहुत कुछ अच्छा कर सकते हैं। डॉक्टर वकील बैंकर्स वैज्ञानिक शिक्षक तक भी बन सकते हैं । कहा कि माता-पिता उनका बोझ ना समझे विकलांग बच्चों के मुख में मुस्कुराहट बरकरार रखें हीन भावना न पनपने दें। अपनी तरफ से उनकी जो रुचि है उसके अनुसार प्रयास करने दें। कहा कि पढ़ने लिखने का अच्छा मौका दें अवसर दें यही बच्चे आगे निखर कर देश का भविष्य बन सकेंगे। कहा कि इन बच्चों में अच्छी प्रतिभाएं छिपी हैं।केवल उनको निखारने की जरूरत है। हमारी शुभकामनाएं। आप लोग पूरी ईमानदारी से मेहनत के साथ शिक्षा ग्रहण करें। अवश्य ही आप कहीं ना कहीं अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्र में सफल हो सकेंगे हमारी शुभकामनाएं हैं। माता-पिता इन बच्चों पर ध्यान भी रखें निगाहें रखें और सरकार की जो योजनाएं चल रही हैं। उनका लाभ लें। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकलांग बच्चों में प्रतिभा कम नहीं होती है। संभावनाएं बहुत होती हैं। केवल उन पर ध्यान देने की जरूरत है। सरकार भी उन्हें हर तरह से लाभान्वित कर उनको सुधार करने का प्रयास कर रही है। रोजगार के साधन उपलब्ध करा रही है।विकलांग बच्चों के लिए अलग से पेंशन दे रही है। शिक्षा पर खर्च कर रही है हर तरह से मदद कर रही है ।

शिक्षा महिलाओं एवम समाज की तरक्की के लिए शिक्षा बेहद जरूरी : अरविंद कुमार पुष्कर एडवोकेट

संस्कार उजाला

आगरा। तेजी से तरक्की करती इस दुनियां में हर व्यक्ति को शिक्षित होना बहुत जरूरी है। अगर लडकी, महिला व पुरुष शिक्षित नहीं होंगे तो हमेशा पुरानी रूढ़िवादी परंपराओं में ही उलझे रहेंगे और उनका कभी विकास नहीं हो पाएगा। क्योंकि एक शिक्षित व्यक्ति शिक्षा के बल पर समाज में यश, कीर्ति, प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त कर ही लेता है। और तेजी से बदलती दुनियाँ में भविष्य की चुनौतीयों का सामना कर सकता हैं। इस संदर्भ में वरिष्ठ समाजसेवी अरविंद कुमार पुष्कर एडवोकेट ने बेटीयों और महिलाओं की तरक्की के लिए शिक्षा के महत्त्व को बेहद जरूरी बताते हुए कहा कि आज हमारी बेटियों की उपलब्धि, उनका आत्मविश्वास, साहस और शिक्षा और विभिन्न अन्य क्षेत्रों में नए कीर्तिमान बनाने की क्षमता पूरे देश के लिए बहुत ही गर्व की बात है। यह राष्ट्र के उज्जवल भविष्य का प्रतिबिंब है, और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक अहम कदम है। जिस समाज और देश के युवा और लड़कियां विकास और अनुशासन के मार्ग पर चलते हैं, वह प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता है। इसलिए शिक्षा ग्रहण करना हर किसी के लिए बेहद जरूरी है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी

स्थिति, शिक्षा के अधिकार और कैरियर में महिलाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। शिक्षा, लड़कियों और महिलाओं एवम समाज की तरक्की के लिए बहुत जरूरी हैं। लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना ही समाज का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए और उसे पूरा करने के लिए सभी सहयोग देना चाहिए। एक शिक्षित लडकी, महिला और समाज ही आने वाले भविष्य की सभी चुनौतियों का सामना कर सकता है। एक शिक्षक व्यक्ति अपने जीवन में आने वाली सभी समस्याओं को आसानी से हल कर लेता है। इसलिए हर किसी को शिक्षा के महत्व को समझना चाहिए और शिक्षा ग्रहण करने के लिए दूसरों को प्रेरित करना चाहिए। देश के विकास में शिक्षित बालिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं और उच्च पदों पर कार्य कर देश व समाज की सेवा कर सकती है। और सामाजिक और आर्थिक तरक्की में बड़ा योगदान दे सकती है। इसलिए बेटियों को सम्मान से जीने का हक देना चाहिए और बच्चियों को उनके अधिकारों व सशक्तिकरण के प्रति जागरूक कर बालिकाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने, उन्हें अच्छा जीवन देने से लेकर शिक्षा और कैरियर के प्रति प्रोत्साहित करना चाहिए। श्री पुष्कर साहब ने बताया कि तेजी से तरक्की करती दुनियां में हर व्यक्ति को शिक्षित होना बहुत जरूरी है। वर्तमान में एक शिक्षित समाज ही भविष्य की चुनौतीयों का सामना कर सकता हैं। देश व समाज की तरक्की और खुशहाली के लिए पारंपरिक शिक्षा की तुलना में आधुनिक ज्ञान बहुत जरूरी है। आज भी कुछ समुदाय शिक्षा के क्षेत्र में बेहद पिछड़े हुए हैं। इस समाज को मुख्य धारा में लाने के लिए सभी को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक सोच से सोचने, समझने और उस पर गहनता से अमल करने की बहुत जरूरत है। किसी समाज की सभ्यता के तौर पर पहचान तभी तक है, जब तक उस समाज में नारी को पूरा सम्मान मिलता है। स्त्री को न केवल समानता का दर्जा व्यवहारिक जीवन में देना जरूरी है बल्कि उसकी अस्मिता की रक्षा भी सुनिश्चित बेहद जरूरी है। बेटियों का जीवन किसी भी तरह के भेदभाव से मुक्त रखना होगा। क्योंकि महिलाएं देश का नेतृत्व करने में बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। देश में महिला नेतृत्व विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम होगा। देश को जिम्मेदार बेटियों पर गर्व है। बेटियों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक सेवाओं में भी सक्रिय रूप से भाग लेने चाहिए। महिलाएं हमारे देश और इसकी नियति की तस्वीर पेश करती हैं। इसलिए महिलाएं और लड़कियों को देश के नेतृत्व में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयारी करनी चाहिए। जितना अधिक लड़कियां शिक्षा की ओर बढ़ेंगीं उतना ही हमारा देश प्रगति करेगा। बालिकाओं एवं महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालम्बन हेतु केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- कन्या सुमंगला योजना, मिशन शक्ति, बेटी बचाओं- बेटी पढ़ाओं के माध्यम से लाभ दिया जा रहा है। बेटियों को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा हासिल करने तक विभिन्न स्तर पर योगी सरकार द्वारा आर्थिक मदद दी जा रही हैं। बच्चें हमारे देश के भविष्य है। हम सभी का दायित्व है कि उन्हें खेल, शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में आगे बढने के लिए उत्साहबर्धन एवं प्रोत्साहित करना चाहिए।महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तीकरण, स्वावलंबन एवं उनके स्वास्थ, शिक्षा एवं सुरक्षा की स्थिति को बेहतर करने हेतु विभिन्न विभागों के माध्यम से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूक करना चाहिए।

राष्ट्रहित में समर्पित पुलिसकर्मी ही हैं देश एवं समाज के सच्चे हीरो : मुशरफ खान

संस्कार उजाला

आगरा,संजय सागर। देश की सीमा की रक्षा में लगे सैन्य बलों के बलिदान की आपने कई कहानियां सुनी होंगी लेकिन हमारे पुलिसकर्मियों के शौर्य और बलिदान का इतिहास भी किसी से कम नहीं है। नेशनल पुलिस डे यानी पुलिस स्मृति दिवस सन 1959 में चीन से सटी भारतीय सीमा की रक्षा में बलिदान देने वाले शहीद दस पुलिसकर्मियों के शौर्य, बलिदान और शहीदों के सम्मान में हर साल 21अक्टूबर को नेशनल पुलिस डे मनाया जाता है। देशवासियों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस के अमर शहीदों को शत-शत नमन करते हुए इस सन्दर्भ में राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतक एवम वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने बताया कि हमारे पुलिसकर्मियों के शौर्य, बलिदान और शहीदों के सम्मान में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता हैं। अदम साहस, पराक्रम और बलिदान के प्रतीक देश की आंतरिक सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करने वाले, सेवा और निष्ठा के पर्याय, देश सेवा में सदैव समर्पित पुलिस बल के हम सभी देशवासियों को अपने सैनिकों की दृढ़ संकल्प एवं समर्पण पर गर्व है। राष्ट्रहित में अपने कर्तव्य को निभाते हुए जीवन का बलिदान करने वाले आप देश के नायक है देश व नागरिकों की सुरक्षा करते हुए शहीद हुए पुलिसकर्मी ही देश एवं समाज के सच्चे हीरो हैं। राष्ट्रहित में पुलिस कर्मियों की शहादत से सीख लेकर अच्छे नागरिक बनने की कोशिश करनी चाहिए। उनको हमारा नमन, हम सुख से सोते हैं, क्योंकि पुलिस हमारी सुरक्षा ने रातों को जागती हैं। हर रोज आप अपराध से मुकाबला करते हैं। आज हम वीर सिपाहियों को नम आंखों से याद करते हैं। पुलिस स्मृति दिवस पर सभी पुलिसकर्मियों को नमन करते हैं। जिन्होंने अपने कर्तव्य पथ पर अपना सर्वोच्च बलिदान किया। पुलिस के शहीद जवानों की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए प्रेरणादाई है। ऐसे सभी वीर सिपाहियों के परिजनों को भी हमारा प्रणाम है। हम सभी को भयमुक्त समाज के निर्माण और अपराध को कम करने के लिए पुलिस और प्रशासन को सहयोग देना चाहिए। आखिर पुलिस वाले भी तो हम सभी के परिवार से ही तो रात दिन कड़ी मेहनत से पढ़ाई लिखाई कर विभाग में आते हैं। इसलिए पुलिस शत्रु, नही मित्र व रक्षक है और नेशनल पुलिस डे को मनाने का उद्देश्य भी यहीं हैं कि एक आम नागरिक पुलिस को नजदीक से जान सके और बहादुर नौजवानों को इस सेवा से जुड़ने के लिए कैसे उत्साहित कर पाएँ। हमारे लिए बहुत जरूरी है कि हम उन रास्तों को हमेशा याद रखें जिन पर चलकर हमें ये मालूम हुआ है कि एक राष्ट्र के रूप में हम कौन हैं और क्या हैं ? हर राज्य का पुलिस बल उन बहादुर पुलिस वालों की याद में इस दिवस का आयोजन करता है, जिन्होंने जनता एवं शांति की रक्षा के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया। लेकिन ज्यादातर देखा जाता हैं कि इन परेडों में लोगों की उपस्थिति बहुत कम होती है। पुलिस द्वारा आयोजित परेडों की वह गवाह है। देश के करीब 13 लाख से ज्यादा पुलिस कर्मियों के इस महत्त्वपूर्ण दिन को हम नकार नहीं सकते है। देश मे प्रतिवर्ष लगभग 1000 पुलिसकर्मी अपना फर्ज निभाते हुए शहीद होते हैं, लेकिन इनमें से किसी को भी अपने कार्यों और फर्ज को अंजाम देते हुए

शहीद हो जाते हैं ज्यादा सराहना नहीं मिलती, न ही उनके बलिदानों की कहानी लोगों तक पहुँचती है। दरअसल फर्ज की बेदी पर अपनी जान कुर्बान करने वाले ये सिपाही छिपे हुए नायक होते हैं। पुलिस हम सभी को चाहिए लेकिन इसके साथ भावना शायद ही कोई जोड़ता हो, इसके अंदर के दर्द को महसूस करता हो। पुलिस स्मृति दिवस पर आज हम सभी शहीद पुलिस कर्मियों को हुये उन सभी हिम्मत से अपराध से लड़ रहे पुलिस व अधिकारी एवं कर्मियों के जज्बे को बारम्बार नमन करते है। जो हमें सुरक्षित समाज भयमुक्त समाज के लिए प्रयासरत हैं। हमें सुरक्षित समाज और भयमुक्त वातावरण देने के लिए थैंक्यू पुलिस। जय हिंद। श्री खान साहब ने बताया कि कुछ गिने चुने लोगों की वजह से आज विडंबना ये है कि समूचे पुलिस विभाग को बदनाम किया जाता है। अगर पुलिस न होती तो समाज की कल्पना करिए, बिना पुलिस के समाज की कल्पना मात्र करने से रूह काँप उठती है। जो लोग पूरे महकमे पर आरोप लगाते हैं। वो कभी पुलिस की तरह समाज के लिए बलिदान दें। ये पुलिस ही है, जो देश के अंदर कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपना सर्वस्व व प्राणो का बलिदान देती है। पुलिस सभी को चाहिए लेकिन इसके साथ भावना शायद ही कोई जोड़ता हो, इसके अंदर के दर्द को महसूस करता हो। शर्म आती है ऐसे लोगों पर जिनको सिर्फ. रौब दिखाने के काम के लिए पुलिस चाहिए लेकिन सहयोग के नाम पर ऊल जलूल बातें बनाकर पल्ला झाड लेते हैं। आज हमारा एक बड़ा प्रश्न उन सभी आदरणीय लोगों से होगा, जो दुहाई देते हैं कानून व्यवस्था के लचीलेपन की, वो बताएं आज के दिन कितने शहीद पुलिसकर्मियों या दिवंगत या जिनहोने अच्छे काम किए हैं उनके यहाँ गए हैं या उनके स्मृति के अवसर पर शरीक हुये हैं। अगर नही तो, उनको कोई हक नही जो ऊल जलूल बकें। और हम सब ने वो वैश्विक संकट का मंजर देखा था जब कोरोना काल में आम लोग मौत के तांडव के डर से अपने घरों में कैद थे। तब कुछ जिम्मेदारों ने अपनी जिम्मेदारी से अपना मुह छिपा लिया था। वही, राष्ट्रहित में पुलिस इंसानियत का फर्ज निभा रही थी और उस कर्ज को हम कभी भी चुका नही सकते। पुलिसवालों ने अपने प्राणो की बाजी लगाकर कानून व्यवस्था संभालने के साथ - साथ निःस्वार्थ मानवसेवा भी की जो सदैव पुलिस के इतिहास में अविस्मरणीय व स्वर्णिम अक्षरों में पुलिस की सर्वश्रेष्ठ सेवाओ में होगा। हम प्रायः पुलिसकर्मी को अपना फर्ज पूरा करते देखते रहते हैं और अक्सर हम उनकी आलोचना करते हैं। उन पर आरोप भी लगाते हैं जिनमें से कुछ सच भी साबित हो जाते हैं, कुछ गलत, पर हम भूल जाते हैं कि ये लोग कितना कठिन कार्य करते हैं। आज हमें उनकी सेवा के उस नजरिए को देखना है, जिसमें वो दूसरों की जान व माल की रक्षा के बदले अपनी जिन्दगी से समझौता कर लेते हैं। पुलिस स्मृति दिवस पर हम गर्व से कहते हैं कि पुलिस है, तो समाज की कल्पना है। आज हम उन सभी कोरोनाकाल के शहीदो को भी भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुये व आज भी हिम्मत से अपराध से लड़ रहे पुलिस अधिकारी या कर्मियों के जज्बे को बारम्बार नमन करते हैं। जो हमें सुरक्षित समाज भयमुक्त समाज के लिए प्रयासरत हैं। हम गर्व से कहते हैं कि पुलिस है तो समाज कि कल्पना है। हम सभी को भयमुक्त समाज के निर्माण और अप्रराध को कम करने के लिए पुलिस और प्रशासन को सहयोग देना चाहिए, आखिर पुलिस वाले भी तो हम सभी के परिवार से ही तो आते हैं, पुलिस शत्रु, नही मित्र व रक्षक है, जय हिन्द। उन्होंने आगे बताया कि देश की सीमा की रक्षा में लगे सैन्य बलों के बलिदान की आपने कई कहानियां सुनी होंगी लेकिन हमारे पुलिसकर्मियों के शौर्य और बलिदान का इतिहास भी किसी से कम नहीं है। कुछ ऐसा ही साल 1959 में हुआ था, जब पुलिसकर्मी पीठ दिखाने के बजाय चीनी सैनिकों की गोलियां सीने पर खाकर शहीद हुए। चीन के साथ देश की सीमा की रक्षा करते हुए जो बलिदान दिया था, उसकी याद में हर साल पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। बात 21 अक्टूबर सन 1959 की है। 10 पुलिसकर्मियों ने जब अपना बलिदान दिया था। तब तिब्बत के साथ भारत की 2,500 मील लंबी सीमा की निगरानी की जिम्मेदारी भारत के पुलिसकर्मियों की थी। इस घटना से एक दिन पहले 20 अक्टूबर, 1959 को तीसरी बटालियन की एक कंपनी को उत्तर पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स नाम के स्थान पर तैनात किया गया था। इस कंपनी को 3 टुकड़ियों में बांटकर सीमा सुरक्षा की बागडोर दी गई थी। लाइन ऑफ कंट्रोल में ये जवान गश्त के लिए निकले। आगे गई दो टुकड़ी के सदस्य उस दिन दोपहर बाद तक लौट आए लेकिन तीसरी टुकड़ी के सदस्य नहीं लौटे। उस टुकड़ी में दो पुलिस कॉन्स्टेबल और एक पोर्टर शामिल थे। अगले दिन फिर सभी जवानों को इकट्ठा किया गया और गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए एक टुकड़ी का गठन किया गया। गुमशुदा हो गए पुलिसकर्मियों की तलाश में तत्कालीन डीसीआईओ करम सिंह के नतृत्व में एक टुकड़ी 21अक्टूबर 2018 को सीमा के लिए निकली। इस टुकड़ी में करीब 20 पुलिसकर्मी शामिल थे। करम सिंह घोड़े पर सवार थे, जबकि बाकी पुलिसकर्मी पैदल थे। पैदल सैनिकों को 3 टुकड़ियों में बांट दिया गया था। तभी दोपहर के समय चीन के सैनिकों ने एक पहाड़ी से गोलियां चलाना और ग्रेनेड्स फेंकना शुरू कर दिया। अपने साथियों की तलाश में निकली ये टुकड़ियां खुद की सुरक्षा का कोई उपाय नहीं करके गई थीं, इसलिए ज्यादातर सैनिक घायल हो गए। तब उस हमले में देश 10 वीर पुलिसकर्मी शहीद हो गए जबकि सात अन्य बुरी तरह घायल हो गए। यही नहीं, इन सातों घायल पुलिसकर्मियों को चीनी सैनिक बंदी बनाकर ले गए जबकि बाकी अन्य पुलिसकर्मी वहां से निकलने में कामयाब रहे। 13 नवंबर, 1959 को शहीद हुए दस पुलिसकर्मियों का शव चीनी सैनिकों ने लौटा दिया। उन पुलिसकर्मियों का अंतिम संस्कार हॉट स्प्रिंग्स में पूरे पुलिस सम्मान के साथ हुआ। उन्हीं हमारे पुलिसकर्मियों के शौर्य, बलिदान और शहीदों के सम्मान में हर साल 21 अक्टूबर को नैशनल पुलिस डे मनाया जाता हैं।

नोएडा में रेपिडो बाइक से लूट करने वाले दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने एक सूचना के आधार पर लूटपाट करने वाले दो कुख्यात लुटेरों को गिरफ्तार किया है। शातिर नोएडा में रेपिडो बाइक पर सवार होकर लूटपाट की घटना को अंजाम दे रहे थे। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने पिंटू यादव तथा जयप्रकाश नामक दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने 5,400 रूपए नगद बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने पुलिस को बताया कि अगस्त माह में इन्होंने थाना सूरजपुर क्षेत्र से एक युवती की सोने की चेन लूटी थी। उक्त चेन को बेचकर इन्होंने पैसे लिए थे। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने नोएडा सहित दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में लूटपाट की कई वारदातें करनी स्वीकार की है। थाना प्रभारी ने बताया कि इसके अलावा ट्रैक्टर चोरी के मामले में फरार चल रहे पुनीत नामक एक युवक को थाना सूरजपुर पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है।

धूम्रपान की चेतावनी पर समझौता नहीं : सरकार

नई दिल्ली । धूम्रपान चेतावनी संबंधी नियमों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है और नियम का अनुपालन नहीं करने पर कार्रवाई शुरू की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यहां बताया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता वाला मुद्दा मानते हुए केंद्र सरकार ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद फिल्म नियमों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी बढ़ा दिया है। ओटीटी नियम 2023 एक सितंबर 2023 से लागू हो गए। इन नियमों के तहत, अब सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसे नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो, डिज़नी प्लस हॉटस्टार, जियो सिनेमा, सोनी लिव, एएलटीबालाजी, वूट आदि को तंबाकू विरोधी स्वास्थ्य चेतावनी का प्रदर्शित करना होगा । तम्बाकू विरोधी स्वास्थ्य चेतावनी एक संदेश के रूप में और नियमों में निर्धारित तम्बाकू उपयोग के दुष्प्रभावों पर ऑडियो-विज़ुअल रूप में प्रदर्शित करना है। मंत्रालय ने कहा है कि सरकार के इस कदम की विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठनों और विशेषज्ञों ने सराहना की है। ओटीटी को तंबाकू नियंत्रण नियमों के तहत लाकर भारत तंबाकू नियंत्रण उपायों में विश्व में अग्रणी बन गया है। मंत्रालय के अनुसार इस संबंध में मीडिया रिपोर्ट तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।सभी ओटीटी प्लेटफार्मों को ओटीटी नियम 2023 के प्रावधान का सख्ती से पालन करना आवश्यक है नियमों के साथ कोई समझौता नहीं है और ओटीटी नियमों का अनुपालन नहीं करने पर सरकार द्वारा कार्रवाई शुरू की जाएगी।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
सत्यमेव जयते

कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए मीडिया पयर्वेक्षक नियुक्त किए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ , मध्यप्रदेश और तेलंगाना में आसन्न विधानसभा चुनावों के लिए मीडिया पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। अखिल भारत कांग्रेस समिति के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यहां बताया कि पार्टी ने इन राज्यों में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मीडिया समन्वय के लिए मीडिया पर्यवेक्षक नियुक्त किये हैं। उन्होंने बताया कि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी छत्तीसगढ़ के लिए मीडिया पर्यवेक्षक होंगे। वहीं सुश्री सुप्रिया सुनेत मध्य प्रदेश और डॉ. अजय कुमार तेलंगाना में यह दायित्व संभालेंगे।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने सराय काले खां फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सराय काले खां के टी जंक्शन पर एक और फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने आश्रम अंडरपास बनाया और फिर उन्होंने आश्रम फ्लाईओवर का विस्तार बनाया। आजादी के बाद से दिल्ली में 102 फ्लाईओवर या अंडरपास बनाए गए हैं और पिछले आठ वर्षों में आम आदमी पार्टी द्वारा 30 फ्लाईओवर या अंडरपास बनाए गए हैं।

केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने निर्माण भी कराया साथ ही पैसा भी बचाया। सराय काले खां फ्लाईओवर को लेकर सीएम केजरीवाल ने कहा कि इस फ्लाईओवर से लोगों को बहुत फायदा होने वाला है। इससे टी जंक्शन पर ट्रैफिक जाम कम करने में मदद मिलेगी। यह 620 मीटर लंबा फ्लाईओवर है। इस प्रोजेक्ट के लिए 66 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी। केजरीवाल ने कहा कि जब से उन्होंने दिल्ली में सरकार बनाई है, उन्होंने हर प्रोजेक्ट में पैसा बचाया है। इसी तरह इस प्रोजेक्ट में भी उन्होंने 66 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे, लेकिन इसे 50 करोड़ रुपये में पूरा कर लिया। इससे उन लोगों को सुविधा होगी, जो आईटीओ से आश्रम तक यात्रा करते हैं।

जहरीली हुई दिल्ली की हवा: बहुत खराब श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई

धूप निकलने के बाद भी धुएं में छिपा इंडिया गेट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा की दिशा बदलने व गति कम होने के साथ वायु गुणवत्ता खराब स्तर पर पहुंच गई है। सफर इंडिया के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता 302 एक्यूआई के साथ बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के आसपास हवा की गुणवत्ता 330 एक्यूआई के साथ बहुत खराब श्रेणी में है, हवाई अड्डे (ञ3) के आसपास वायु गुणवत्ता 313 एक्यूआई के साथ इसी श्रेणी में है।धूप निकलने के बावजूद प्रदूषण की वजह से कर्तव्य पथ पर स्मोग के बीच कुछ इंडिया गेट छिपा रहा। सुबह 11 बजकर 50 मिनट की तक आसमान में धुआं छाया रहा। इसके बाद भी प्रदूषण के बीच कर्तव्य पथ पर पर्यटक घूमते हुए दिखाई दिए। बता दें कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने अगले सप्ताह प्रदूषण स्तर में संभावित वृद्धि को देखते हुए वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप-2 के तहत प्रतिबंध लागू किए हैं। शून्य और 50 के बीच हवा की गुणवत्ता अच्छी, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 450 के बीच गंभीर होती है।

प्रेमिका का कत्ल!: होटल के कमरा नंबर 209 में कंबल से ढंकी मिली युवती की लाश; काउंटर पर चाबी जमा कर प्रेमी फरार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वेव सिटी थाना इलाके के अनंत होटल के कमरा नंबर 209 में रविवार सुबह युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवती एक युवक के साथ होटल में ठहरी थी। युवक ने ही युवती के भाई को फोन पर सूचना थी कि होटल में उसकी बहन का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, वेव सिटी थाना इलाके के अनंत होटल के कमरा नंबर 209 में 20 अक्तूबर को रात 11 बजे किराए पर लिया था। रविवार की सुबह युवती का शव कमरे में मिला। शनिवार रात को युवक कमरे की चाबी काउंटर पर जमा करके चला गया था। युवती की पहचान शहजादी पुत्री ताहिर निवासी बसरा कॉलोनी, पिपलैड़ा धौलाना हापुड़ के रूप में हुई। शहजादी के परिवार ने मसूरी के अजहरुद्दीन पर हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले में होटल के प्रबंधक ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि मसूरी कल्लूगढ़ी के अजहरुद्दीन ने रविवार सुबह 7:30 शहजादी के भाई दानिश को सूचना दी कि उसकी बहन शहजादी का शव अनंत होटल के कमरा नंबर 209 में पड़ा हुआ है। दानिश की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। होटल के प्रबंधक से चाबी लेकर पुलिस कमरा नंबर 209 में पहुंची तो शहजादी का शव कंबल से ढंका हुआ था।

उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। पुलिस ने होटल का कमरा सील कर छानबीन शुरू कर दी। होटल प्रबंधन से पूछताछ करने पर पुलिस को पता चला कि अजहरुद्दीन और शहजादी ने 20 अक्तूबर को रात 11 बजे कमरा किराए पर लिया था।

शनिवार रात को अजहरुद्दीन कमरे की चाबी काउंटर पर जमा करके चला गया। उसने कहा था कि वह खाना लेने जा रहा है। इसके बाद वापस नहीं लौटा। एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अजहरुद्दीन हाल ही में चोरी के मामले में जेल गया था।

जमानत पर बाहर आया है। मौके पर मिले साक्ष्य और मोबाइल पर हुई बातचीत के आधार पर पता चला है कि अजहरुद्दीन और शहजादी में प्रेम प्रसंग था। शहजादी का दिल्ली में एक युवक से रिश्ता भी तय हो गया था। नवंबर में शादी होनी तय हुई थी। अजहरुद्दीन शादीशुदा है, पत्नी से उसका लंबे समय से विवाद चल रहा है।

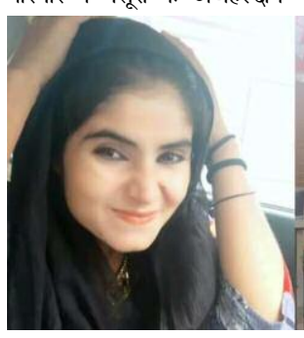

ग्रेटर नोएडा में हाईराइज सोसाइटी में फंसी लिफ्ट, 15 से 20 मिनट बाद बाहर निकल पाए 4 लोग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में हाईराइज सोसाइटी में लिफ्ट अटकने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ग्रेटर नोएडा की चेरी काउंटी हाउसिंग सोसाइटी में भी लिफ्ट फंसने का एक मामला सामने आया। बताया जा रहा है कि लिफ्ट करीब 20 मिनट तक फंसी रही। इस दौरान लिफ्ट के अंदर एक बुजुर्ग महिला सहित चार लोग फंसे रहे। करीब 20 मिनट की देरी के बाद इन लोगों को मेंटेनेंस टीम और सुरक्षा कर्मियों ने जैसे-तैसे बाहर निकाला। दरअसल, ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र की चेरी काउंटी सोसाइटी में सुबह एक लिफ्ट अटक गई। लिफ्ट में एक बुजुर्ग महिला सहित चार लोग सवार थे। बी-3 टावर में जब यह लोग लिफ्ट में ऊपर जा रहे थे, अचानक से ही झटका लगने के बाद लिफ्ट रुक गई। लिफ्ट अचानक से रुकने के बाद उसमें फंसे हुए लोग घबरा गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान उन लोगों ने अलार्म बजाया और इमरजेंसी बटन भी दबाया। लिफ्ट में फंसने के बाद यह लोग काफी घबरा गए और इन लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिसके बाद मेंटेनेंस की टीम और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। लिफ्ट के लॉक को खोलकर इन लोगों को जैसे-तैसे बाहर निकाला गया है। बताया जा रहा है कि यह लोग करीब 15 से 20 मिनट तक इस लिफ्ट में फंसे रहे। लिफ्ट में फंसने के कारण बुजुर्ग महिला को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्विस महिला का कत्ल : डेटिंग एप से दोस्ती... विदेशी युवती ने दूसरे से की शादी बात पर भड़का प्रेमी

दिल्ली । पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में एक महिला की बेरहमी से हत्या करने के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। महिला स्विटजरलैंड की रहने वाली लीना बर्गर (29) थी। एकतरफा प्यार में उसके भारतीय मित्र ने स्विटजरलैंड से दिल्ली बुलाकर उसकी हत्या कर दी।

बाद में शव को अपने महिला दोस्त के नाम से खरीदी गई कार की मदद से ठिकाने लगा दिया। 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने सनसनीखेज वारदात से पर्दा उठाकर महिला के मित्र को जनकपुरी से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान गुरप्रीत (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से वारदात में इस्तेमाल सेंट्रो कार के अलावा 2.10 करोड़ की रकम बरामद की है। आरोपी से पूछताछ जारी है। इस बात का भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात में इसके साथ कोई और तो शामिल नहीं था। पुलिस ने स्विटजरलैंड दूतावास को महिला के बारे में जानकारी देकर उसके परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। वहीं, आरोपी के घर से बरामद पौने दो करोड़ के बाबत दिल्ली पुलिस ने इनकम टैक्स विभाग को सूचना दे दी है।

जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि आरोपी के खुलासे की पड़ताल की जा रही है। इससे पहले शुक्रवार सुबह 8.45 बजे तिलक नगर स्थित दिल्ली नगर निगम स्कूल की दीवार के पास एक महिला की सड़ी-गली अवस्था में लाश मिली थी। महिला के हाथ पैर चेन से बंधे थे और उसमें चेन में ताला लगा था। पुलिस ने हत्या और सबूत मिटाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। छानबीन के दौरान पुलिस को घटनास्थल के पास एक सीसीटीवी फुटेज मिली। इसमें एक संदिग्ध सेंट्रो कार को चिन्हित किया गया। पुलिस कार के रजिस्ट्रेशन नंबर से उसकी मालिक के पास पहुंची। मालिक ने बताया कि उसने कार बेच दी है। उधर, पुलिस टीम कार के जाने वाले रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करते हुए जनकपुरी पहुंची। जहां एक जगह पर पुलिस को कार पार्क मिली। आस पास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि कार गुरप्रीत इस्तेमाल करता है। पुलिस ने देर रात डेढ़ बजे आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। शुरुआत में आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। सख्ती से पूछने पर उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। साथ ही बताया कि कार भी उसने अपनी दोस्त के नाम पर खरीदा था।शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी लीना बर्गर से दो साल पहले ऑनलाइन एप के जरिए दोस्ती हुई थी।

दिल्ली में एक घर में लगी आग, 16 लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली। दिल्ली में एक घर में आग लगने के बाद छह बच्चों और सात महिलाओं सहित कम से कम 16 लोगों को बचाया गया। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक, सुबह 7:38 बजे पीएनबी, सब्जी मंडी, घंटा घर के पास एक घर में आग लगने की सूचना मिली। गर्ग ने कहा, कुल 8 दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग एक एलपीजी सिलेंडर विस्फोट के कारण लगी थी। गर्ग ने कहा, आग पर काबू पा लिया गया है और तीन पुरुषों, सात महिलाओं और छह बच्चों सहित 16 लोगों को बचाया गया, आग घर की दूसरी मंजिल पर लगी थी।

यात्रियों के लिए नमो भारत ट्रेन का परिचालन शुरू, पहले ही दिन 10 हजार के पार पहुंचा आंकड़ा

गाजियाबाद। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस के प्राथमिक खंड के संचालन का आम जनता के लिए पहला दिन था। यात्रियों के उत्साह और उमंग के बीच दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के बहुप्रतीक्षित प्राथमिक खंड में कमर्शियल परिचालन आरंभ हो गया। सुबह 6 बजे से आरंभ हुई नमो भारत ट्रेन की पहली यात्रा को यात्रियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। नमो भारत ट्रेन के यात्रियों के पहले समूह में महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों सहित सभी वर्गों के यात्री शामिल थे। जिनका उमंग देखने लायक था। आरआरटीएस स्टेशनों ने अपनी भव्यता और अत्याधुनिक सुविधाओं से यात्रियों को आश्चर्यचकित कर दिया। बहुत से लोग न केवल इन आधुनिक ट्रेन में चढ़ने के लिए उत्साहित थे, बल्कि उनमें नमो भारत ट्रेनों और आरआरटीएस स्टेशनों की विभिन्न विशेषताओं के साथ-साथ टिकट वेंडिंग मशीन (टीवीएम), क्यूआर कोड टिकट आदि का उपयोग करने आदि को लेकर भी बहुत जिज्ञासा थी।पहले दिन, अंतिम अपडेट तक नमो भारत ट्रेन में यात्रियों की संख्या ने 10,000 का आंकड़ा पार कर लिया। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह ने एनसीआरटीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुबह यात्रियों के समूह का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने फूलों से उनका स्वागत किया और उनके यात्रा अनुभवों को जानने और समझने के लिए उनसे बातचीत की। यात्रियों के पहले समूह को प्रथम राइडर का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। यात्रियों का उत्साह यहीं नहीं रुका। यात्री केवल अपनी सवारी का आनंद लेने से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से ऐतिहासिक यात्रा को कैद भी किया। यात्रियों को लास्ट-माइल कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए एनसीआरटीसी ने आरआरटीएस फीडर सेवाओं के तहत स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा की उपलब्धता सुनिश्चित की। डीटीसी ने आनंद विहार से साहिबाबाद स्टेशन तक हर 20 मिनट की आवृत्ति पर एसी इलेक्ट्रिक बस सेवा भी शुरू की है। पहली एसी इलेक्ट्रिक बस आनंद विहार आईएसबीटी से सुबह 6.20 बजे जबकि आखिरी रात 9.35 बजे साहिबाबाद के लिए रवाना होगी।

साहिबाबाद से आनंद विहार के लिए यह सुबह 07.05 बजे से रात 22:20 बजे तक उपलब्ध रहेगी। यात्रियों का उत्साह आरआरटीएस कनेक्ट ऐप के प्रति भी देखने को मिला और कई यात्रियों ने अपनी ट्रेन यात्रा की निर्बाध बुकिंग के लिए इसका उपयोग किया। ऐप के यूज़र-फ्रेंडली इंटरफ़ेस और दक्षता को उपयोगकर्ताओं से प्रशंसा प्राप्त हुई। नमो भारत ट्रेन सेवा के पहले ही दिन आरआरटीएस कनेक्ट ऐप के 2,000 से अधिक डाउनलोड देखे गए।

एनीमिया पर व्यापक जनजागृति अभियान, बहुआयामी प्रयास की जरूरत: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भारत में लोगों में रक्त की कमी (अनीमिया) की समस्या के खिलाफ एक जनजागृति अभियान शुरू करते हुए कहा कि लोगों में रक्त की कमी के कामले बढ़ रहे हैं।

नीति आयोग के निदेशक-वीसी कार्यालय डॉ. उर्वशी प्रसाद ने कहा, एनीमिया एक ऐसा मुद्दा है जिसके बहु-क्षेत्रीय आयाम हैं और इस समस्या के समाधान के लिए एकल दृष्टिकोण काम नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्क्रीनिंग और पहचान विशेष रूप से कमजोर और आदिवासी आबादी के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिष्ठित अनुसंधान एवं परामर्श संगठन इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड वेलबीइंग काउंसिल और ऐश्वर्या हेल्थकेयर द्वारा शुरू किए गए 'मूवमेंट अगेंस्ट एनीमिया' अभियान के उद्घाटन समारोह में विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में एनीमिया की व्यापकता चिंताजनक अनुपात तक पहुंच गई है। सम्मेलन में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस-5) (2019-21) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया कि भारत में 15-49 आयु वर्ग की 57 प्रतिशत महिलाएं और छह महीने से पांच साल के बीच के 67 प्रतिशत बच्चे इस स्थिति से प्रभावित हैं। आयोजकों ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सरकार के एनीमिया मुक्त भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप एनीमिया पर काबू पाने के लिए कार्रवाई योग्य समाधान विकसित करना है। कार्यक्रम में इस समस्या से निपटने के लिए सुलभ और किफायती उपचार के साथ-साथ एकीकृत प्रयासों की वकालत की गयी। विशेषज्ञों ने देश में एनीमिया के उच्च प्रसार को रोकने के लिए एक व्यापक और बहुपक्षीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम के वरिष्ठ निदेशक और विभागाध्यक्ष डॉ. श्याम बी बंसल ने कहा,÷पुराने गुर्दा रोग में खून की कमी एक बड़ी चुनौती है। गर्दे के रोग से पीड़ित 70 प्रतिशत रोगी एनीमिया से प्रभावित होते हैं।÷उन्होंने कहा हमें शरीर में आयरन (लौह तत्व) की कमी के लिए सुरक्षित और कुशल समाधान की आवश्यकता है जो आबादी के बड़े हिस्से के लिए सुलभ हो। चर्चा में प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रितु जैन (अध्यक्ष, एफओजीएसआई, गुड़गांव ऑब्स्ट. एंड गाइन सोसाइटी) ने अच्छे भोजन प्रथाओं और महिलाओं के स्वास्थ्य में जीवन पाठ्यक्रम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड वेलबीइंग काउंसिल जागरूकता के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने की दो-स्तरीय रणनीति शुरू की है, जिसके बाद स्वास्थ्य पेशेवरों, फार्मा कंपनियों और नीति निर्माताओं सहित सभी हितधारकों का एकीकरण किया जाएगा। ऐश्वर्या ग्रुप के चेयरमैन नीरज कुमार नीर ने कहा,÷स्थायी स्वास्थ्य सेवा नवाचारों के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करने की हमारी प्रतिबद्धता और एनीमिया मुक्त देश के सरकार के दृष्टिकोण के तहत, हम एक सुलभ और किफायती समाधान, फेरिक कार्बोक्सिमल्टोज़ की पेशकश कर रहे हैं। भारत में एनीमिया में आयरन की कमी का बड़ा योगदान है, एनीमिया के 70 प्रतिशत मरीज कई कारणों से आयरन की कमी से पीड़ित हैं। कार्यक्रम में सर गंगा राम अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष और एचओडी डॉ. विनंत भार्गव और डॉ. अनिल कुमार भल्ला, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के उपाध्यक्ष डॉ. जयेश लेले, हेमटोलॉजी और बीएमटी विभाग के निदेशक और प्रमुख डॉ. मीत कुमार , मारेंगो एशिया अस्पताल, गुड़गांव और डॉ. वाणी पुरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, सर्वोदय अस्पताल ने भी विचार रखे।

अंगद जैसा बलशाली दिखने के लिए बृजेश गोयल ने बढ़ाया 10 किलो वजन, चौथी बार किया रामलीला में अभिनय

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित हो रही रामलीलाओं में बॉलीवुड अभिनेताओं से लेकर राजनेता भी अपनी एक्टिंग का हुनर दिखा रहे हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) के चेयरमैन और आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश सचिव बृजेश गोयल अंगद की दमदार भूमिका में नजर आए। लालकिले पर आयोजित लवकुश रामलीला में अपने अभिनय से उन्होंने रामलीला के इस महत्वपूर्ण किरदार को जीवंत कर दिया। उन्होंने बताया कि वो रामलीला के मंच पर चौथी बार अभिनय कर रहे हैं। सबसे पहले 2018 में अयोध्या व्यापार संघ के अध्यक्ष के तौर पर अभिनय किया था। उस समय जब प्रभु श्री राम को वनवास हुआ था, तो प्रजाजन काफी व्यथित हुई थी। व्यापारियों ने भी अयोध्या नगरी छोड़कर दूसरी जगह कारोबार करने का मन बनाया था।

यज्ञ से सुगंधित शुद्ध की गई वायु से आरोग्यता बल बुद्धि वीर्य बढ़ता हैःस्वामी मोहन देव

संवाददाता

दादरी। शारद दुर्लभ यज्ञ के संयोजक सदस्य एवं प्रभारी ओमवीर सिंह आर्य एडवोकेट ने बताया कि आज दादी सत्ती मंदिर गांव दुजाना में नवरात्र में दिन रात चलने वाले शारद दुर्लभ यज्ञ आठवें दिन के कार्यक्रम में राजस्थान से आये स्वामी मोहन देव जी ने आज के यज्ञ के मुख्य ब्रह्म रहै, 9 दिवसीय शारद दुर्लभ यज्ञ सत्र भव्यतर हो रहा है। दिन प्रतिदिन बाल युवा वृद्ध महिला पुरुष की सहभागिता इस यज्ञ में बढ़ती जा रही है। उल्लेखनीय होगा शरद ऋतु में नवरात्रि में आयोजित किया जा रहे इस यज्ञ में लगभग 9 फुट व्यास की गोलाकार शंकवाकार यज्ञ वेदी तैयार की गई है। पूर्वाभिमुख यज्ञमान का आसान तैयार किया गया है। यज्ञ के प्रत्येक सत्र के लिए आचार्य पुरोहित वेदपाठी यज्ञमान नियत है। अनुष्ठान के आठवें दिन आज रात्रिकालीन कालीन सत्र में यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी मोहन देव जी रहे। कार्यक्रम का संचालन आर्य प्रतिनिधि सभा गौतम बुद्ध नगर की यशस्वी अध्यक्ष महेंद्र आर्य जी ने किया। कुलदीप विद्यार्थी जी ने अपने मधुर भजन उपदेश से समा बांध दिया है। दुजाना ग्राम के नवयुवक विशेष तौर पर उनके भजन उपदेश से प्रभावित हैं। शारद दुर्लभ यज्ञ के अनुष्ठान के आयोजन का एकमात्र उद्देश्य इस ऋतु में रोगों के प्रकोप से मानव ही नहीं जीव मात्र हो बचाने का एक दिव्य संकल्प है। यज्ञ की रामबाण रोग नाशक पर्यावरण पुष्टिकारक थेरेपी आध्यात्मिक कर्मकांड कैसे घर-घर तक प्रचारित हो स्थापित हो यह भी यह इसका उद्देश्य है। महर्षि दयानंद की ग्रंथों को हम पढ़ते हैं तो महर्षि दयानंद का आग्रह यज्ञों के प्रचार को लेकर भी था। वैदिक काल की तरह महर्षि दयानंद चाहते थे भारत के घर-घर गांव-गांव अधिक से अधिक होम अग्निहोत्र होने चाहिए। महर्षि दयानंद की वेदों के निष्कर्ष के आधार पर यह मान्यता थी अग्निहोत्र यज्ञ आदि से केवल वायु जल ही शुद्ध नही होता है साथ ही साथ मनुष्य को आरोग्यता की प्राप्ति होती है। साथ ही वेदों मंत्रो के यज्ञों में विनियोग से वेदों की रक्षा भी होती है ईश्वर की उपासना भी होती है। यज्ञ कर्ता पर ईश्वर प्रसन्न होता है।पांच महायज्ञ ग्रंथ में ऋषि ने अग्निहोत्र के मंत्रो का ईश्वर परक ही अर्थ किया है। स्वामी मोहन देव ने बताया कि महर्षि दयानंद कहते थे यज्ञ से सुगंधित शुद्ध की गई वायु से आरोग्यता बल बुद्धि वीर्य बढ़ता है। इन्हीं उत्तम उत्तम यज्ञ के परियोजन लाभो को जानकर शारद दुर्लभ यज्ञ अनुष्ठान किया जा रहा है अधिक से अधिक इस यज्ञ अनुष्ठान में यज्ञमान, होता बनकर, तन मन धन से सहयोगी के रूप में सहभागी होकर अपने मानव जीवन को धन्य बनाएं। यजुर्वेद के भाष्य में ऋषि दयानंद अनेक मंत्रो का अर्थ करते हुए कहते हैं जो यज्ञ को त्याग देता है ईश्वर उस मनुष्य को त्याग देता है। ईश्वर की कृपा का पात्र बनने के लिए हमें बड़े-बड़े यज्ञ करने व कराने चाहिए। ऐसे दुर्लभ अनुष्ठान में सहयोगी बनना चाहिए। वैदिक संस्कृति के आदर्श मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम, योगेश्वर श्री कृष्ण आदि हमारे महापुरूषों ने संकट काल में भी यज्ञ जप दान आदि उत्तम कर्मों को नहीं छोड़ा वह सभी यज्ञ करते ,कराते थे। आज के यज पर ओमवीर सिंह आर्य एडवोकेट धर्मपत्नी उर्मिला आर्य, तिलक नागर धर्मपत्नी शकुन्तला देवी निवासी दुजाना और दीपक शर्मा की धर्मपत्नी अच्छेजा निवासी भी यजमान रहै एवं वैदिक भजनों द्वारा यज्ञ वैदिक मन्त्रों से निरन्तर आरम्भ रहा। क्षेत्रीय एवं अन्य राज्यों से आये विद्वान आचार्य सत्यव्रत अजमेर, नवाब सिंह नागर पुर्व मन्त्री उत्तर प्रदेश सरकार, योगेन्द्र मावी जिला अध्यक्ष भाजपा गोतमबुद्धनगर, ओमपाल नागर प्रमुख पति बिसरख ब्लॉक, अंकुर नागर एडवोकेट पुर्व बार अध्यक्ष बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर, विनोद नागर, बब्बली नागर जिला उपाध्यक्ष भाजपा, राज नागर अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा, जागरतन आर्य पीसीएस, ब्रिजेन्द्र प्रमुख दादरी, कल्याण सिंह आर्य बिजनौर, ओम प्रकाश आर्य भरतपुर, कुलदीप विधार्थी राष्ट्रवादी भजनों उपदेशक, महेश योगी भजन उपदेशक, महाशय रामगोपाल, महाशय मानसिंह, रविंद्र आर्य, छेत्र के सम्मानित हुकम सिंह आर्य दुजाना आर्य समाज प्रधान, मास्टर ब्रह्मा सिंह, ओमपाल आर्य मन्त्री आर्य समाज दुजाना, ईलचन्द नागर, मोनू प्रधान, दीपक भारद्वाज महामंत्री भाजपा, हेमराजसिहं प्रधान लडपुरा, यशवीर भगतजी, कमल आर्य, सतीश आर्य, नरपतसिंह प्रधानाचार्य नवादा, सतबीर आर्य, जगबीर आर्य, ग्रीस मुनि, यशवीर आर्य, बाबू राम नागर, जालेन्द्र आर्य, कर्मवीर आर्य, मास्टर नरेंद्र नागर, सागर नागर, दिवाकर आर्य, पंकज आर्य, सत्यपाल आर्य, एवं ग्राम दुजाना और आस पास के गांवों से आये सैकड़ों यज्ञ प्रेमियों ने यज्ञ पर आहुतियां देकर कर यज्ञ की शोभा बढ़ायी।

श्वेते वृषे समारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः। महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा॥

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। नवरात्री के पावन पर्व के उपलक्ष मे कार्तिक कुंज सोसाइटी सेक्टर 44 नोएडा में नवरात्रि के पावन पर्व पर गरबा डांडिया का आयोजन किया गया`कार्तिक कुंज सोसाइटी परिवार के सभी भक्तो ने माँ जगत जननी आदिशक्ति की पूजा अर्चना की व सभी देश वासियो के लिए समृद्धि और सौभाग्य का नित नया सवेरा हो यह प्रार्थना की`इसके बाद सभी भक्तो ने गरबा नृत्य प्रस्तुत किया।

भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के द्वारा डेरी स्कनर संगठन का विस्तार एवं प्रचार किया गया संगठन विस्तार

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर । भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के द्वारा ज़िला गौतम बुद्ध नगर ग्राम डेरी स्कनर संगठन का विस्तार एवं प्रचार किया गया संगठन विस्तार में सभी कार्यकताओं ने अपनी अपनी बात रखी जिसमें एच एस दीक्षित जी ने संगठन का विस्तार करते हुए संगठन के बारे में लोगों को समझाया और संगठन मंत्री यामीन बिरौडी ने किसानों मजदूरों की समस्याएं सुनी एवं उनके निस्तारण हेतु उन्हें आश्वासन दिया कि भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति उनके साथ है वहीं प्रदेश अध्यक्ष दिनेश भाटी ने किसानों को 10 % 4 % के बारे में बहुत ही विस्तार से समझाया और उनके क्या-क्या अधिकार हैं किसानों को जागरूक करने का काम किया दूसरी तरफ युवा प्रदेश अध्यक्ष अक्षित शर्मा ने किसानो एवं युवाओं को बहुत विस्तार से समझाने का काम किया और अक्षित शर्मा ने कहा मैं युवा हूं युवाओं की बात करता हूं उन्होंने युवाओं के रोजगार के बारे में कहा यहां कंपनी ने 200 किलोमीटर दूर के युवाओं को रोजगार देने का काम किया है यहां के युवा कहां जाएंगे उनकी लड़ाई हम लड़ेंगे और कंपनी में कम से कम 50% युवाओं को काम दिलाएंगे इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र कसाना राष्ट्रीय सलाहकार राकेश शर्मा राष्ट्रीय महासचिव एच एस दीक्षित राष्ट्रीय संगठन मंत्री यामीन बिरौडी प्रदेश अध्यक्ष दिनेश भाटी प्रदेश महासचिव नीरज शर्मा युवा प्रदेश अध्यक्ष अक्षित शर्मा पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष शाहरुख मलिक पश्चिम प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी शौकीन सैफी प्रदेश सचिव आशु सैफी प्रदेश सचिव दीपू पंडित प्रदेश सचिव अंतराम सिंह युवा जिला उपाध्यक्ष अजीत नागर युवा जिला महासचिव अली सैफी विमल शर्मा अखिल द्विवेदी और सैकड़ो किसानों और नौजवानों ने पद ग्रहण किया।

मदर्सलैप प्ले स्कूल की शिक्षिकाओं ने किया रामायण नाटिका का मंचन

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। छात्रों के अदंर मूल्यों और संस्कारों को विकसित करने के लिए और उन्हे अपनी संस्कृति का परिचय प्रदान करने वसुंधरा सेक्टर 2बी स्थित मदर्सलैप प्ले स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा रामायण का मंचन किया गया और उन्हे जीवन में रामायण के महत्व की जानकारी प्रदान की गई।मदरर्सलैप प्ले स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती कुसुमलता चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि छात्रों को रामायण के जीवन मूल्य शिक्षाओं की जानकारी प्रदान करने के शिक्षिकाओं द्वारा रामायण का मंचन हमारे विद्यालय में किया गया। छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने और व्यक्ति के चरित्र, धर्म, मित्रता एवं प्रेम के महत्व को बताते हुए पात्रों ने राम सीता का वनवास गमन, हनुमान मिलन, सीता हरण, राम रावण युदध और राम सीता की आयोध्या वापसी आदि का मंचन किया जिसका छात्रो ंद्वारा आनंद लिया गया। श्रीमती कुसुमलता चौधरी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का विकास उसके छात्रों के सवार्गीण विकास में ही संभव ही और यह बिना अपनी संस्कृति एव मूल्यों से जुड़े संभव नही है इसी क्रम मे हम छात्रो को आधुनिक तकनीक के साथ्र मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रदान करते है।इस रामायण नाटिका के मंचन में श्रीमती सीमा गुसाई ने हनुमान, मालविना हाजरा ने राम, श्रीमती रंजना पंडित ने सीता, श्रीमती शिल्पी दुबे ने लक्ष्मण और श्रीमती तनुजा बिष्ट ने रावण की भूमिका अदा की।

दुजाना के दादी सत्ती मंदिर पर हुआ भव्य जागरण का आयोजन

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। क्षेत्र की आस्था के प्रमुख केंद्र *दादी सत्ती मंदिर* पर नवरात्रों के पवित्र पावन अवसर पर माता रानी का *21 वा भव्य जागरण सम्पन्न हुआ*। जागरण में *मुख्य अतिथि* के रूप मे भारतीय जनता पार्टी के *जिलाध्यक्ष गजेंद्र मावी* की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता *ब्लॉक प्रमुख बिसरख ओमपाल प्रधान* ने की व *मंच संचालन मा० भूपेन्द्र नागर* ने किया।मंदिर समिति की तरफ से मोनू प्रधान व भूपेन्द्र नागर ने बताया की यह मंदिर लगभग 400 वर्ष पुराना है। दादरी क्षेत्र के 27 गाँवो के लोगो की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है।कार्यक्रम में गाँव व क्षेत्र के हजारों लोगों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जिलाध्यक्ष *गजेंद्र मावी जी ने कहा* कि हर एक व्यक्ति को धर्म के कार्य से जुड़ा रहना चाहिए क्योंकि धर्म हमको गलत रास्ते पर जाने से रोकर है। *ब्लॉक प्रमुख ओमपाल प्रधान ने कहा कि* पूरी दुनिया में केवल भारत ही ऐसा देश है जिसके दर्शन मे वसुदेव कुटुम्बकम की भावना है। मंदिर कमेटी ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र पहनाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर *लोक गीत के कलाकारों प्रीति चौधरी (राजस्थान)*,जयवीर भाटी,नानक चंद शर्मा,सुषमा चौधरी,जितेंद्र नागर,बलराम बैसला,महेश भाटी आदि ने सुन्दर भजनों व गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। लोकगीत की मशहूर कलाकार प्रीति चौधरी के द्वारा *शहीद भगतसिंह से सम्बंधित गीत* को लोगो ने काफी पसंद किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व सिंचाई मंत्री नवाब सिंह नगर, ब्लॉक प्रमुख दादरी बिजेन्द्र भाटी,भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पवन नागर बबली,जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज,युवा मोर्चा जिलाअध्यक्ष राज नागर,सर्वजीत नागर (अच्छेजा),कपिल गुर्जर दल्लूपुरा,पालू ठेकेदार,विनोद नागर,अंकुर नागर एड,जितेन्द्र नागर बाबा,श्यामेन्द्र प्रधान,रिंकू भाटी,समाजसेवी कर्मवीर नागर दुजाना,ग्राम प्रधान अनिता नागर,गुलिया खाप के प्रधान सुनील चौधरी,सदस्य जिला पंचायत रामभूल यादव,अरविंद प्रधान बादलपुर,नरेंद्र नंबरदार,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बादलपुर ब्रह्मपाल सिंह,आदि गाँव व क्षेत्र के अनेकों गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति व दादी सत्ती मंदिर समिति के 70 वॉलिंटियर्स की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त डायरी

लापता महिला को परिजनों से मिलाया

संवाददाता

नोएडा, । एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) की टीम ने अपनों से बिछड़ी एक महिला को करीब सवा साल बाद परिजनों से मिला दिया। महिला के सकुशल मिलने पर उसके परिजनों ने नोएडा पुलिस का आभार व्यक्त किया है। यूजर ने भी इस सराहनीय पहल पर पुलिस की सराहना की है। एएचटीयू टीम द्वारा समय-समय पर आवासित बच्चों एवं महिलाओं की कांउसलिंग की जाती है। इसी क्रम में टीम ने सेक्टर-34 स्थित अपना घर आश्रम में पिछले काफी समय से रह रही एक महिला की काउंसलिंग की। काउंसलिंग के दौरान 32 वर्षीय महिला ने टीम को अपना पता ग्राम खानपुर, थाना जहानागंज, जिला आजमगढ़ बताया। एएचटीयू की टीम ने जहानागंज थाना पुलिस से फोन पर वार्ता कर महिला की जानकारी दी। जहानागंज की पुलिस द्वारा टीम को महिला के पड़ोसी का नंबर मिला। इसके बाद संबंधित नंबर पर बात कर महिला के परिजनों को उसके बारे में जानकारी दी गई। महिला की मां सुरजा देवी ने बताया कि उनकी बेटी एक साल चार माह पूर्व घर से कहीं चली गई थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सुरजा देवी ने बताया कि लंबे वक्त तक पता न चलने के कारण वह अपनी बेटी के मिलने की आस खो चुकी थी। एएचटीयू की टीम ने परिजनों को नोएडा बुलाकर महिला को उनके सुपुर्द कर दिया। महिला जब नोएडा पहुंची थी तो उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी। सेक्टर-24 पुलिस ने उसे अपना घर आश्रम में भर्ती कराया था।

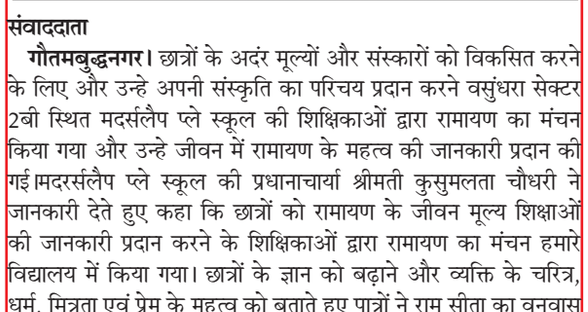

अपर्णा को मिली पीएचडी की उपाधि

संवाददाता

नोएडा, । सेक्टर-39 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बौद्धिक प्रसार समिति के तत्वावधान में एचईएलएम द्वारा त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। दूसरे दिन मुख्य वक्ता जसकमल जीत सिंह द्वारा माड्यूल- प्रसंग और चयन के विषय में विस्तार पूर्वक समझाया गया। कार्यशाला में लगभग 70 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा अर्थशास्त्र विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत अपर्णा को सीसीएसयू मेरठ में 35वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत कृषि के विकास में जैविक खेती की भूमिकाः गाजियाबाद में एनसीओएफ (राष्ट्रीय जैविक खेती केंद्र) का एक केस स्टडी पर पीएचडी की उपाधि दी गई, जिनका कॉलेज प्रबंधन ने स्वागत किया।

नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म

गाजियाबाद, । गाजियाबाद में एक व्यक्ति ने पिता पुत्री के रिश्ते को कलंकितकरते हुए नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। आरोनी कई दिनों से वारदात को अंजाम दे रहा था। तंग आकर बेटी ले थाने में इसकी शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने इस शख्स को हिरासत में ले लिया और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गाजियाबाद के थाना मधुबन बापुधाम इलाके में बुधवार रात एक नाबालिक बच्ची के द्वारा सूचना दी गई कि उसके पिता के द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा है। इस सूचना के मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को हिरासत में लिया गया। इसके बाद पुलिस ने बच्ची के अन्य परिजनों से एक शिकायत पत्र लिया और उस पर मामला दर्ज किया जा रहा है। अब पुलिस मामले में हर पहलु से जांच कर रही है। एसीपी कवि नगर ने बताया है केस मामले को लेकर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और बच्ची की शिकायत के बाद पिता को हिरासत में ले लिया है।

ज्वेलरी शॉप से गहने चोरी करने वाला गैंग पकड़ा गया, 50 साल की महिला है सरगना

गाजियाबाद, । गाजियाबाद पुलिस ने ज्वेलरी शॉप से जूलरी चोरी करने वाले एक गैंग का खुलासा किया है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 50 साल की एक महिला भी शामिल है, जो इस गैंग की सरगना है। यह महिला 31 साल से दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ज्वेलरी शॉप से जूलरी चोरी करने का काम कर रही हैं। इस दौरान यह करीब चार बार जेल भी जा चुकी है और पांचवीं बार पकड़ी गई है। गाजियाबाद पुलिस ने बुधवार को ज्वेलरी चोरी के एक गैंग को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि इस गैंग की सरगना 50 साल की खातून है, जो पिछले 31 साल से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रही। इस गैंग के मर्द रेकी करते हैं, जबकि महिलाएं ज्वेलरी शॉप में कस्टमर बनकर जाती हैं और ज्वेलरी चुरा लेती हैं। खातून ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अनगिनत वारदातों को अंजाम दिया। चोरी के लिए ये टार्गेट सेट करते थे। गाजियाबाद पुलिस के अपर पुलिस उपायुक्त (क्राइम) सच्चिदानंद ने बताया, क्राइम ब्रांच टीम ने बुधवार शाम को गाजियाबाद में नंदग्राम कट मेरठ रोड से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान 52 वर्षीय कौशर उर्फ रवि, इसकी सरगना 50 वर्षीय पत्नी खातून और एक अन्य नौशाद के रूप में हुई। तीनों गाजियाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस को इनसे कुछ ज्वेलरी मिली। पूछताछ में सामने आया कि इसको अलग-अलग दुकानों से चोरी किया गया था। पुलिस के मुताबिक, नंदग्राम इलाके के दीनदयालपुरी स्थित सोनी ज्वैलर्स के यहां पिछले दिनों खातून कस्टमर बनकर गई थी। जेवर देखने के बहाने उसने ज्वैलरी चुराई। ये घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। उसी चोरी की ज्वेलरी खातून से रिकवर हुई। इस गैंग ने दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, हरिद्वार में तमाम घटनाएं स्वीकार कर ली हैं।

माता कालरात्रि देवी के स्वरूप की विधिवत पूजन अर्चना करने के उपरांत माता को फलाहारी प्रसाद का भोग पंचशील ग्रीन परिवार के बच्चो ने लगाया

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। नवरात्र सेवक दल द्वारा संचालित 83ँ विशाल नवरात्र महोत्सव 2023/चतुर्थ रामलीला महोत्सव 2023 में माता कालरात्रि देवी के स्वरूप की विधिवत पूजन अर्चना करने के उपरांत माता को फलाहारी प्रसाद का भोग पंचशील ग्रीन परिवार के बच्चो ने लगाया और पंडाल परिसर के बाहर वितरित कराया।एतिहासिक रामलीला प्रस्तुति में माता सबरी की प्रभु श्रीराम के प्रति भक्ति,प्रभु श्री राम लक्ष्मण का हनुमान जी से मिलन,महाराज सुग्रीव से मित्रता,बाली वध, जामवंत जी के द्वारा हनुमान जी को 100 योजन लंका पार करने के लिए उनका बल याद कराना,माता सीता जी से हनुमान जी का अशोक वाटिका में मुलाकात,मेघनाद हनुमान जी का युद्ध,लंका दहन का सजीव चित्रण किया गया जिसका निवासियों में भरपूर आनंद लिया। ।जिसमे हर किसी ने माता की कृपा और प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से नवरात्र महोत्सव में भव्य डांडिया का आनंद लिया।उत्साह की ऐसी लहर की जगह भी कम पड़ गई 10 दिन 10 उत्सव का आनंद पूरी समिति के साथ साथ पूरे परिवारजन मिलकर आयोजन में अपनी जिम्मेदारी का भरपूर योगदान दे रहे है।आज के आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी कमेटी और पंचशील ग्रीन परिवार का हृदय से आभार और धन्यवाद।

विस्तार अधिकारी मल्टीमीडिया के माध्यम से किसानों तक पंहुचाए नवीन तकनीकः डा. जसविंद्र कौर

नीलोखेड़ी/करनाल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी में आज विस्तार अधिकारियों के लिए मल्टीमीडिया एवं संचार कौशल विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। संस्थान की प्रशिक्षण ईंचार्ज डा. जसविंद्र कौर ने कहा कि मल्टीमीडिया एवं संचार कौशल के माध्यम से विस्तार अधिकारी किसानों तक नवीन तकनीक एवं जानकारियां अधिक प्रभावशाली तरिके से पंहुचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह संस्थान वाईस-चांसलर प्रोफेसर बी. आर. कांबोज, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेतृत्व में उत्तर भारत के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि, उद्यान, पशु-पालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास इत्यादि विभागों के विस्तार अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है। हर तरह का वित्तीय सहयोग देने के लिए विस्तार निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की भी सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल का भी धन्यवाद किया। कार्यक्रम के संयाजक डा. अजय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण में उत्तर प्रदेश, पंजाब, झारखंड एवं जम्मू-कश्मीर के विस्तार अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों को भ्रमण भी करवाया गया है और इसके साथ-साथ विभिन्न संस्थानों से व्याख्यानों के लिए विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान डा. अजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डा. जसविंद्र कौर एवं डा. अजय कुमार सहित सभी प्रतिभागी मौजूद रहे।

धान खरीद मंडियों में फर्जीवाड़ा ! 10 जिलों के डीएफएससी से मांगी रिपोर्ट

करनाल। कृषि योग्य भूमि न होने के बावजूद, उसमें पीआर धान उगाकर यमुनानगर की खिजराबाद मंडी में गेट पास कटवाने का गंभीर मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार सख्त हो गई हैं। एक जिला की जमीन पर दर्ज फसल को दूसरे जिलों में जाकर बेचा गया, जो संदेह के घेरे में हैं। धान खरीद में फर्जीवाड़े की संभावना देखते हुए कुरुक्षेत्र डीसी ने करनाल जिला उपायुक्त सहित 10 जिलों के डीएफएससी (जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक) को पत्र भेजा है। फिलहाल कुरुक्षेत्र के डीसी ने करनाल, अम्बाला, पानीपत, जींद, पंचकूला, कैथल, हिसार, फतेहाबाद, यमुनानगर, सोनीपत जिलों के डीसी व डीएफएससी को पत्र भेजकर रिपोर्ट मांगी है कि उनके क्षेत्रों के किसानों ने कुरुक्षेत्र की मंडियों में धान बेचा है। जिन किसानों ने कुरुक्षेत्र की मंडियों में धान बेचा है, उन किसानों की भूमि कृषि योग्य है या नहीं, भूमि का मालिक कौन है। इसके अतिरिक्त ई-खरीद पोर्टल पर किसानों द्वारा 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकरण के समय दर्शाई गई वास्तविक कृषि भूमि पर धान की रोपाई, कटाई की गई धान, खड़ी धान की फसल का मौका निरीक्षण रिपोर्ट भेजी जाए।

प्रशासन सख्त, कई राइस मिलर्स के हाथ-पांव फूले

करनाल प्रशासन की सख्ती से मंडियां समय से पहले धान विहिन होने लगी हैं, इसे देखते हुए फर्जी गेट पास के सहारे व्यापार करने वाले कई राइस मिलर्स के हाथ-पांव फूले हुए हैं। वे करनाल के अलावा आसपास की मंडियों में कागजों में उगी पीआर धान को बेचने में जुटे हैं या फिर पहले से किसानों से कम भाव में खरीदी गई पीआर धान को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए हर तरह से जतन करने में जुटे हैं। इसी संभावना को देखते हुए करनाल प्रशासन ने सभी किसानों को फसल के साथ ओरिंजनल आधार कार्ड लाना अनिवार्य कर दिया।

फसलों की जांच के समय कहां थे अधिकारी-चौधरी नई अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन प्रधान रजनीश चौधरी ने बताया कि पीआर धान की आवक मंडियों में काफी कम हो गई हैं। जो छोटे किसान वाहनों में पीआर धान व 1509 लेकर आ रहे है। उन्हें आने नहीं दिया जा रहा, जिससे किसान परेशान हैं। प्रशासनिक अधिकारी किसानों की बात सुनने को तैयार नहीं। जब पोर्टल पर दर्ज फसलों की जांच करनी चाहिए थी, उस वक्त अधिकारी पता नहीं क्या कर रहे थे। इस वक्त हर नियम किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला साबित हो रहा हैं।

धनखड़ की निगाह सीएम की कुर्सी पर, पहले तय करें कहां लड़ेंगे चुनाव

झज्जर। कांग्रेस का संगठन न बन पाने के लिए पूर्व सीएम हुड्डा को जिम्मेदार ठहराने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ के बयान पर प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री और कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने पलटवार किया और कहा कि धनखड़ की निगाह सीएम की कुर्सी पर है, लेकिन धनखड़ साहब को पहले यह तो तय करना चाहिए कि वे चुनाव कहा से लड़ रहे हैं। उन्होंने धनखड़ को सलाह देते हुए कहा कि वे उनकी व उनकी पार्टी की चिंता करना छोड़ दें और अपनी पार्टी की चिंता करे, जिसे जनता ने सत्ता से पूरी तरह से बाहर करने का फैसला ले रखा है। पूर्व मंत्री गीता भुक्कल ने कहा कि राजस्थान सहित सभी पांच प्रदेशों में कांग्रेस आ रही है। जहां उनकी पार्टी की सत्ता है वहां कांग्रेस रिपीट कर रही है और जहां भाजपा है, वहां से भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाने का काम हो रहा है। पूर्व शिक्षा मंत्री भुक्कल ने प्रदेश में कांग्रेस का संगठन जल्द घोषित होने की बात भी कही और कहा कि प्रारूप तैयार है और जल्द ही इसकी घोषणा कर दी जाएगी।

'लोकतंत्र का गला घोंट रही भाजपा'

पंजाब में राज्यपाल और सीएम के बीच विवाद को लेकर गीता भुक्कल ने कहा कि जिस राज्य में भाजपा की सरकार नहीं है वहीं पर इस प्रकार के विवाद हैं। दिल्ली भी उन्हीं में से एक है। यह कहना गलत नहीं है कि जहां भाजपा की सरकार नहीं है वहां पर लोकतंत्र का गला घोंटने का काम भाजपा कर रही है। भाजपा को लोकतंत्र में कतई विश्वास नहीं है।

जींद में डेंगू के साथ चिकनगुनिया ने दी दस्तक

जींद। जिले में डेंगू के साथ-साथ अब चिकनगुनिया ने भी दस्तक दे दी है। शनिवार को चिकनगुनिया के दो तथा डेंगू का एक नया मामला सामने आया है। करसिंधु गांव में डेंगू से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग अभी मौत को कन्फर्म नहीं कर रहा है, लेकिन परिजनों का कहना है कि युवक की डेंगू से मौत हुई है। जिले में अब तक डेंगू के 267 तथा चिकनगुनिया के 5 मामले आ चुके हैं। अब तक डेंगू से एक महिला समेत 3 लोगों की मौत भी हो चुकी है। करसिंधु के सज्जन को हिसार के निजी अस्पताल में 15 दिन पहले दाखिल करवाया गया था। यहां उसकी डेंगू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उसको प्लेटलेट्स चढ़ाई भी गई, लेकिन सज्जन को आराम नहीं हुआ। दो दिन पहले सीएमसी अस्पताल ने सज्जन को रेफर कर दिया। परिजन उसे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल ले गए। वहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। इससे पहले एक महिला एवं एक व्यक्ति की डेंगू से मौत हो चुकी है। शनिवार को स्वास्थ्य विभाग को नरवाना के प्रेम नगर निवासी 40 वर्षीय व्यक्ति तथा जींद के ओम नगर निवासी 25 वर्षीय युवक की चिकनगुनिया की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। चिकनगुनिया के 3 मामले पहले ही आ चुके हैं। वहीं शनिवार को सफीदों निवासी एक युवक की डेंगू रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। अब तक जिले में डेंगू के 267 मामले आ चुके हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ बिजेंद्र ढांडा ने कहा कि करसिंधु गांव के युवक की मौत की ऑडिट करवाई जाएगी। उसके बाद ही पुष्टि होगी कि मौत डेंगू से हुई है या नहीं।

स्टेशन महोत्सव के दूसरे दिन

आमजन व यात्रियों का स्टेशन पर स्थापित संग्रहालय के माध्यम से किया ज्ञानवर्धन- विनोद कुमार धीमान

करनाल। करनाल का रेलवे स्टेशन इन दिनों यात्रियों व आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और लगभग 131 वर्ष पहले शुरू हुआ यह स्टेशन अपना समृद्ध इतिहास बयां कर रहा है। स्टेशन का प्रत्येक भाग तिरंगा लाईटस व रंग बिरंगी रोशनी से सुसज्जित है। स्टेशन के सौंदर्यकरण की हर कोई तारीफ कर रहा है।

स्टेशन के बदले-बदले इस स्वरूप के बारे में रेलवे के कमर्शियल इंस्पेक्टर विनोद कुमार धीमान ने बताया कि रेलवे स्टेशन करनाल 20 अक्तूबर से 26 अक्तूबर तक स्टेशन महोत्सव मना रहा है। इस महोत्सव के तहत बेहतर सफाई व्यवस्था व सौंदर्यकरण के साथ साथ रेलवे के इतिहास को प्रदर्शित किया गया है। इसके लिए आमजन व यात्रियों का स्टेशन पर स्थापित संग्रहालय के माध्यम से ज्ञानवर्धन किया जा रहा है। संग्रहालय में उन सभी यंत्रों को जगह दी गई है, जिनके प्रयोग से रेलवे ने लंबा सफर तय किया है। रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शित वर्टिकल गार्डन, हेरिटेज पंप, सेल्फी प्वाइंट (आई लव करनाल) और वंदे भारत के मॉडल भी स्टेशन महोत्सव की शोभा हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे के अधिकारियों व कर्मचारियों ने आमजन को स्टेशन महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को इसकी महत्वता और करनाल रेलवे स्टेशन के इतिहास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे भारत के आर्थिक विकास का साक्षी और उत्प्रेरक रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों की अहम भूमिका रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और अन्य स्वतंत्रता सेनानी एक शहर से दूसरे शहर तक यात्रा ट्रेन से करते थे। इस प्रकार भारतीय रेलवे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी हुई है और आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस ऐतिहासिक परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने और आने वाली पीढ़ियों को स्टेशनों का ऐतिहासिक संदर्भ समझाने के लिए स्टेशन महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को रेलवे स्टेशन के इतिहास यानी रेलवे स्टेशन की स्थापना से संबंधित जानकारी से अवगत कराना है। इन विभिन्न गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य स्टेशन के साथ लोगों के जुड़ाव को प्रदर्शित करना है। इस मौके पर कमर्शियल इंस्पेक्टर विनोद कुमार, स्टेशन अधीक्षक संजय सक्सेना, सीनियर सेक्शन इंजीनियर हरप्रीत सिंह, सीओएस महेंद्र सिंह, राजेश कुमार, विजय सक्सेना, दीपक, राजू, स्वाति, रोमा, रूपचंद आदि मौजूद रहे।

दो देवियों की कहानियों में सोना ही सोना : एक ने खेती में उगाया, दूसरी ने कुश्ती में पाया

करनाल। समानाबाहू करनाल की रहने वाली पूनम चीमा ने 2 एकड़ जमीन में ड्रैगन फ्रूट की खेती शुरू की है। करीब डेढ़ साल पहले इस खेती की शुरुआत करने वाली महिला किसान पूनम इस विशेष फल को ऑर्गेनिक तरीके से उगाती हैं। ड्रिप इरिगेशन के जरिए पौधों को पानी दिया जाता है। इससे लाखों लीटर पानी की बचत होती है। साथ ही फ्रूट की कटाई के समय लोगों को रोजगार भी मिलता है। पूनम का मानना है कि सिर्फ धान, गेहूं की खेती के भरोसे ही रहना उचित नहीं है। एक ही पैटर्न में फसल उगाने से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। धान उगाने में करोड़ों लीटर पानी धरातल से खींचा जाता हैं। इससे पेयजल संकट खड़ा हो सकता है। पूनम ने बताया कि फिलवक्त उन्होंने 2 एकड़ में 4 हजार ड्रैगन फ्रूट के पौधे लगाकर खेती शुरू की हैं।

जानकार कहते हैं कि ड्रैगन फ्रुट की बाजारों में बहुत मांग है। अगर किसान बागवानी खेती खासकर ड्रैगन फ्रूट की ओर तेजी से बढ़ेंगे तो उन्हें काफी लाभ होगा। बताया जाता है कि यह फल काफी फायदेमंद होता है। इससे शरीर को मिनरल्स भी मिलते हैं। पूनम का कहना है कि अभी तो कम फल आए और इन्हें जानकारों और रिश्तेदारों में ही बांट दिया, लेकिन आगे चलकर इसकी मार्केटिंग के लिए करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, चंडीगढ़ में कारोबारियों से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि वह खुद कई किसानों को इसके बारे में बता रही हैं। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि आज खेतीबाड़ी में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है।

सनातन और भाईचारे को बनाए रखें- सोनू कौशिक

हिसार। नवरात्रों में जय मां भ्रामरी देवी बनभौरी धाम में हजारों की तादाद में श्रद्धालुगण पूजा अर्चना करने व माथा टेकने के लिए आ रहे हैं। बनभौरी धाम में छठ पर तो श्रद्धालुओं से पंडाल खचाखच भरे हुए थे और श्रद्धालुगण लाइनों में लगकर बारी-बारी से माता के दर्शन कर रहे थे। बनभौरी धाम के पुजारी सोनू कौशिक ने बताया कि नवरात्रे वर्ष में दो बार मनाए जाते हैं। इस धाम में श्रद्धालुगण अपने-अपने बच्चों का मुंडन करवाने आते हैं और इस धाम में श्रद्धालुगण अपनी अपनी मन्नते लेकर माता के दरबार में आते हैं। सच्ची श्रद्धा से आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की मन्नत इस धाम में आकर माता के दर्शन करके अवश्य पूरी होती है। पुजारी सोनू कौशिक ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि आज का युग सनातन का युग है। हमारा धर्म सनातन है। सनातन को और भाईचारे को बनाए रखें। उन्होंने विशेष कर युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की और कहा कि नशा शरीर को खोखला बना देता है और शरीर का नाश कर देता है। इस अवसर पर रामनिवास कौशिक, शिवकुमार कौशिक, रमेश कौशिक व पुलकित कौशिक आदि मौजूद रहे।

देश की महान संस्कृति और सभ्यता से अवगत कराती है हमारी रामलीला :-राज्यपाल

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान श्री राम के आदर्शों पर चलकर देश में रामराज की कल्पना को साकार करने में जुटे हुए हैं । राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय गत रात्रि रोहतक के पुराने आईटीआई ग्राउंड में रामलीला उत्सव कमेटी रोहतक द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेला कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीब, पीड़ित, कमजोर पिछड़े व वंचितों का उद्धार करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा देश में किया जा रहा है और ऐसा करके ही रामराज की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे धार्मिक ग्रंथ रामायण से हमें एक अच्छा इंसान, एक अच्छा भाई, अच्छा पुत्र, अच्छा पति, अच्छा शासक व अच्छा मित्र बनने की प्रेरणा मिलती है। यदि हम इस पावन एवं धार्मिक ग्रन्थ से प्रेरणा लेकर

स्वार्थ को त्याग दें तथा दया, प्रेम व सहयोग की भावना से जीवन जीएं तो यह धरती स्वर्ग का स्वरूप ले सकती है। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि हम सबके लिए गर्व की बात है कि हमारी आस्था, श्रद्धा, विश्वास का प्रतीक राम मंदिर के निर्माण की देखरेख श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा की जा रही है। अयोध्या में बन रहा राम मंदिर, राम जन्मभूमि के स्थान पर बनाया जा रहा है। रामायण के अनुसार, राम जन्मभूमि ही भगवान राम का जन्मस्थान है। यह मंदिर दुनिया के तीन सबसे बड़े हिन्दू मंदिरों में से एक होगा। मंदिर के लिए पूरे भारत भर के पवित्र स्थानों से मिट्टी लाई गई है और उसे पूजित कर मंदिर की बुनियाद में डाला भी गया है, जिसका भूमि पूजन 5 अगस्त 2020 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था, जिसका निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में हम सब के लिए भगवान श्री राम का मंदिर समर्पित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति तथा राम कथा सिखाती है कि हमें भगवान श्री राम के चरित्र व आचरण से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करना चाहिए । मंच का संचालन सतीश भारद्वाज व विजय गुप्ता बाबा ने किया। इस अवसर पर उद्योगपति विजय तायल, मदवि के कुलपति प्रोफेसर राजवीर सिंह, डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार, समाजसेवी उद्योगपति सुशील बंसल, समाजसेवी सुरेश गुप्ता, समाजसेवी दिनेश गुप्ता, उत्सव कमेटी के संरक्षक समाज सेवी उद्योगपति राजेश जैन, प्रधान सुभाष तायल , शंकर लाल मित्तल, जयभगवान ऐरन, रमेश रोहिल्ला, विपीन गोयल, गुलशन निझावन, मनोज जिंदल, अंकित गर्ग, मीडिया प्रभारी राजीव जैन, मनोज जिंदल सुशील मंगला, प्रेम गर्ग, सुनील बल्ली, अनिल बंसल, रामकुमार पंचाल, अमित गुप्ता, सन्नी निझावन, सन्नी गोयल, अंकित गर्ग, योगेश अरोड़ा, अमित गुप्ता, वरूण सिंगल, अजेश गुप्ता, शीतल,उमा गोयल व सन्तोष आदि उपस्थित थे।

पूर्व प्रदेश महासचिव तेजबीर पूनिया ने दिया ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को समर्थन

हिसार। युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव तेज़बीर पूनिया ने बरवाला बीडीओ कार्यालय के प्रांगण में धरना दे रहे बरवाला ब्लाक के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का समर्थन दिया और उनकी मांगो का समर्थन किया। इस धरने प्रदर्शन में उपस्थित ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए तेजबीर पुनिया ने कहा कि हरियाणा के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपनी कलम से नौकरी देने का काम किया था। श्री पुनिया ने कहा कि भाजपा व जजपा गठबंधन से समाज का हर वर्ग दुखी है चाहे कर्मचारी हो, व्यापारी व मजदूर हो चाहे किसान हो भाजपा व जजपा का गठबंधन ठगबंधन है दोनों मिलकर हरियाणा की जनता को लूटने का काम कर रहे हैं। आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का है और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी और ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मांगों को पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर बलजीत वर्मा राजदीप नैन, नूनिया राम पूनिया नफे सिंह बोरा व सौरभ मित्तल आदि मौजूद रहे

करनाल रेलवे स्टेशन पर स्टेशन महोत्सव समारोह की शुरूआत हुई

करनाल। डी.आर.एम. के कार्यकारी सलाहकार एवं वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, दिल्ली डिवीजन प्रेम शंकर झा ने बताया कि करनाल रेलवे स्टेशन पर स्टेशन महोत्सव समारोह की शुरूआत की गई। माननीय वरिष्ठ डिप्टी मेयर श्री राजेश अघी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने करनाल रेलवे स्टेशन पर स्टेशन महोत्सव समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे भारत के आर्थिक विकास का साक्षी और उत्प्रेरक रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों की अहम भूमिका रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और अन्य स्वतंत्रता सेनानी एक शहर से दूसरे शहर तक यात्रा ट्रेन से करते थे। इस प्रकार भारतीय रेलवे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी हुई है और आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस ऐतिहासिक परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने और आने वाली पीढ़ियों को स्टेशनों का ऐतिहासिक संदर्भ समझाने के लिए स्टेशन महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को रेलवे स्टेशन के इतिहास यानी रेलवे स्टेशन की स्थापना से संबंधित जानकारी से अवगत कराना है। इन विभिन्न गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य स्टेशन के साथ लोगों के जुड़ाव को प्रदर्शित करना था। इस कार्यक्रम के दौरान, संग्रहालय का उद्घाटन सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अघी द्वारा किया गया। सीनियर डिप्टी मेयर ने प्रदर्शित वर्टिकल गार्डन और हेरिटेज पंप को भी देखा। उन्होंने स्टेशन परिसर में प्रदर्शित सेल्फी प्वाइंट (आई लव करनाल) और वंदे भारत के मॉडल का भी दौरा किया। स्टेशन की इमारत को डेकोरेटिव लाइट्स से सजाया गया है।

बाग प्रकरण में विवाद बढ़ने के आसार, अब HSVP कर रहा किसान से ब्याज वसूलने की तैयारी

रोहतक। सेक्टर-6 स्थित बाग प्रकरण में विवाद बढ़ने के आसार हैं। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) सख्ती के मूड में है। जिस नौ एकड़ जमीन में बाग है वहां एचएसवीपी जमीन अधिग्रहित होने के बाद करीब 80 प्लॉट काट चुका है। एचएसवीपी के नियमानुसार तीन वर्षों के अंदर प्लाट पर कब्जा न देने की स्थिति में ब्याज का बोझ बढ़ जाता है।

किसानों से हो सके वसूली

एचएसवीपी ने खुद पर बढ़े ब्याज के बोझ को लेकर मुख्यालय से पत्राचार करने का निर्णय लिया है ताकि 80 प्लाट पर लगने वाले ब्याज की वसूली किसान से हो सके। एचएसवीपी के सूत्रों का कहना है कि जमीन अधिग्रहण के बाद सेक्टर-6 को बसाने के लिए प्लॉट काट दिए गए। योजना के तहत सेक्टर स्थित नौ एकड़ बाग में भी प्लॉट काटे

गए, मगर कब्जे को लेकर एचएसवीपी व किसान राजबीर सिंह राठी का मामला कोर्ट में चलता रहा।

प्लॉट पर नहीं दे सके कब्जा

एचएसवीपी का संपदा कार्यालय प्लॉट पर कब्जे नहीं दे सके। ऊपर से नियमित प्लाट की मिलने वाली किस्तें भी अटक गईं। दो से तीन बार एन्हांसमेंट की किश्तों और एन्हांसमेंट पर मिलने वाली ब्याज का भी नुकसान हुआ। इसलिए एचएसवीपी के अधिकारी इन सभी बिंदुओं को लेकर मुख्य प्रशासक पंचकूला को अवगत कराएंगे ताकि आगामी कार्रवाई की जा सके। एचएसवीपी की संपदा अधिकारी श्वेता सुहाग ने बताया कि सेक्टर-6 प्रकरण में कुल तीन कोर्ट केस चल रहे हैं। इसमें किसान राजबीर प्रकरण में निर्णय आ गया है। दो अन्य मामले हाईकोर्ट में लंबित हैं।

अधिकारियों पर आरोप, रोक के बावजूद 2011 में कराया ड्रा

किसान राजबीर ने बताया कि 2010 में पूरे सेक्टर-6 को लेकर सुप्रीम कोर्ट से स्टे था। किसान के मुताबिक, जुलाई 2011 में एचएसवीपी की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो गई। उस दौरान एचएसवीपी ने सेक्टर-6 में ड्रा की अनुमति मांगी थी। अनुमति मिली नहीं फिर भी नवंबर 2011 में ड्रा करा दिए। इस प्रकरण में कोर्ट की अवमानना का केस हुआ था।

वास्तु के हिसाब से करवाएं दीवारों पर पेंट

दिवाली आने में अब कुछ ही दिन बचे है। दिवाली से पहले ही घरों में साफ-सफाई व पेंट का काम शुरू हो जाता है। दिवाली की तैयारियों के बीच घर की साज-सज्जा और रंग-रोगन करना अच्छी बात है लेकिन दीवारों पर रंग करवाते समय वास्तु का ध्यान जरूर रखें।

पूजा रूम: सबसे पहले बात करते हैं पूजा रूम की, जहां दीवाली पर माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। पूजा रूम में पीला, नारंगी, क्रीम और हल्का ब्राऊन कलर करवाना सही होता है। साथ ही मंदिर की छतें सफेद रंग की रखें।

कपल बेडरूम: वास्तु के अनुसार लाल रंग काफी शुभ माना जाता है। पति-पत्नी को अपने कमरे में यही रंग करवाना चाहिए। इससे उनमें प्यार बढ़ता है। मगर गलती से भी डाइनिंग या बच्चे के कमरे में यह रंग न करवाएं।

डाइनिंग रूम: नीले, हरे और पीले रंग खुशी व शांति का प्रतीक है इसलिए डाइनिंग रूम में यही कलर करवाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है।

कमरें: अन्य कमरों में गुलाबी, नीला, हरा, ग्रे, बैंगनी रंग घर के कमरों में करवाना सही होता है।

बच्चों का बेडरूम: बच्चों के कमरे में नारंगी, गुलाबी, नीला या हरा रंग करवाना चाहिए, जो खुशी का अहसास देते हैं।

गेस्ट या ड्राइंग रूम: गेस्ट या ड्राइंग रूम उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इस दिशा में अगर गेस्ट रूम है तो उसमें सफेद रंग होना चाहिए। इसके अलावा आप ड्राइंग रूम में न्यूड कलर करवा सकते हैं।

किचन: किचन की दीवारों पर लाल, संतरी या कोई भी लाइट कलर करवाएं। इससे घर में बरकत बनी रहेगी। मगर किचन में व्हाइट कलर करवाने से बचें।

घर के बाहर का रंग: घर की बाहरी दीवीरों, गेट का रंग सफेद, पीला, ऑफ वाइट, हल्का गुलाबी या संतरी रखें। इससे घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

बाथरूम: बाथरूम की दीवारों का कलर भी घर पर गहरा असर डालता है इसलिए यहां लाइट कलर करवाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

घर का हॉल: घर के हॉल रूम, ऑफिस की दीवारों पर अगर आप पीला रंग करवाते हैं तो यह शुभ फल देता है। आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको घर की उत्तरी दिशा की दीवारों पर हरा रंग करवाना चाहिए।

खिड़की दरवाजे: घर के खिड़की-दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।

भूलकर भी न कराएं ये रंग: डार्क कलर्स जैसे लाल, ब्राउन, ग्रे और काला रंग नहीं करवाना चाहिए। ये रंग अग्नि ग्रहों जैसे राहू, शनि, मंगल और सूर्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे घर की सुख-शांति बिगड़ सकती है। आमतौर पर इन रंगों की तीव्रता काफी ज्यादा होती है, जो घर के एनर्जी पैटर्न को डिस्टर्ब कर सकते हैं।

घर में पैसे की कमी का कारण कहीं वास्तु तो नहीं

जिस तरह सुख-सुविधा बढ़ाने वाली वस्तुओं में बढ़ोतरी हो रही है, उसी तरह लोगों की इच्छाएं बढ़ती जा रही है। हर व्यक्ति इन सभी सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिन-रात मेहनत करता है, परन्तु सफल हर कोई नही हो पाता। कई लोग काफी धन कमाते हैं, लेकिन बचत नहीं कर पाते। उसी तरह कुछ लोग बहुत मेहनत करने के बाद भी पर्याप्त धन नहीं जुटा पाते। इसकी बहुत-सी वजह हो सकती हैं, जिनमें से एक वास्तु दोष भी है।

अगर आपकी व्यापारिक परिस्थितियों के बावजूद आपके धन में वृद्धि नहीं हो पाती, तो आप अपने घर के मेन गेट के ठीक पास तीन टांग वाला मेंढ़क जो मुंह में सिक्का लिए हुए हो, उसको रख लीजिए। इसे सम्मानित जगह पर किसी टेबल के ऊपर रखना चाहिए। इस उपाय से आपकी आय में बढ़ोतरी होगी और घर के फिजूल खर्च में कमी आएगी।

यह आपके मार्ग में आती हुई लक्ष्मी को प्रदर्शित करेगा। यह धन संबंधी परेशानियों को दूर करता है। इससे घर में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। जिससे घर के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है और सभी में परस्पर प्रेम बना रहता है।

सांस्कृतिक एकता और अखंडता को जोड़ने का पर्व है दशहरा

इस वर्ष दशहरा या विजयादशमी का पर्व मंगलवार 24 अक्टूबर 2023 को मनाया जाएगा. मान्यता है कि, इसी दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया और भगवान राम ने लंकापति का रावण का अंत किया था.

सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्योहार दशहरा 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा. विजयादशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है. इस दिन अस्त्र-शस्त्र का पूजन और रावण दहन के बाद बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की परंपरा सदियों से चली आ रही है.

ज्योतिषाचार्य बताया कि इस साल दशहरा 24 अक्टूबर 2023 को मनाया जाएगा. इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 23 अक्टूबर के दिन शाम को 5:44 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 24 अक्टूबर को दोपहर 3:14 मिनट पर होगा. उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा.

दशहरा पर हुआ था रावण का अंत

इस साल दशहरा पर्व पर दो शुभ योग भी बन रहे हैं. इस दिन जगह-जगह रावण दहन किया जाता है. कहा जाता है कि रावण के पुतले को जला हर इंसान अपने अंदर के अहंकार, क्रोध का नाश करता है. इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया जाता है. ऐसी मान्यता है कि रावण का वध करने कुछ दिन पहले भगवान राम ने आदि शक्ति मां दुर्गा की पूजा की और फिर उनसे आशीर्वाद मिलने के बाद दशमी को रावण का अंत कर दिया.

विजयादशमी पर हुआ था महिषासुर का वध

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर

नामक राक्षस का वध किया था. इसलिए इसे विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है. देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग है. इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है. इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है. इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है.

दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है. इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं. नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है. दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है. मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है. वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है.

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि रावण ज्योतिष का प्रकांड विद्वान था. अपने पुत्र को अजेय बनाने के लिए इन्होंने नवग्रहों को आदेश दिया था कि वह उनके पुत्र मेघनाद की कुंडली में सही तरह से बैठें. शनि महाराज ने बात नहीं मानी तो उन्हें बंदी बना लिया. रावण के दरबार में सारे देवता और दिग्पाल हाथ जोड़कर खड़े रहते थे. हनुमान जी जब लंका पहुंचे तो इन्हें रावण के बंधन से मुक्त करवाया. रावण के अशोक वाटिका में एक लाख से अधिक अशोक के पेड़ के साथ ही दिव्य पुष्प और फलों के वृक्ष थे. यहीं से हनुमान जी आम लेकर भारत आए थे. रावण एक कुशल राजनीतिज्ञ, सेनापति और वास्तुकला का मर्मज्ञ होने के साथ-साथ ब्रह्म ज्ञानी तथा बहु-विद्याओं का जानकार था. उसे मायावी इसलिए कहा जाता था क्योंकि वह इंद्रजाल, तंत्र, सम्मोहन और तरह-तरह के जादू जानता था. उसके पास एक ऐसा विमान था, जो अन्य किसी के पास नहीं था. इस कारण सभी उससे भयभीत रहते थे.

दशहरा 2023 तिथि

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 23 अक्टूबर के दिन शाम को 5:44 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 24 अक्टूबर को दोपहर 3:14 मिनट पर होगा. उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा.

दशहरा 2023 पर दो शुभ योग

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस साल दशहरा पर्व पर दो शुभ योग भी बन रहे हैं. इस दिन रवि योग सुबह 06:27 मिनट से दोपहर 03:38 मिनट तक रहेगा. इसके बाद शाम 6:38 मिनट से 25 अक्टूबर को सुबह 06:28 मिनट तक यह योग रहेगा. वहीं, दशहरा पर वृद्धि योग दोपहर 03:40 मिनट से शुरू होकर पूरी रात रहेगा.

दशहरा पर पान देता है आरोग्य

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि विजयादशमी पर पान खाने, खिलाने तथा हनुमानजी पर पान अर्पित करके उनका आशीर्वाद लेने का महत्व है. पान मान-सम्मान, प्रेम एवं विजय का सूचक माना जाता है. इसलिए विजयादशमी के दिन रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद दहन के पश्चात पान का बीणा खाना सत्य की जीत की खुशी को व्यक्त करता है. वहीं शारदीय नवरात्रि के बाद मौसम में बदलाव के कारण संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ जाता है इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पान का सेवन पाचन क्रिया को मज़बूत कर संक्रामक रोगों से बचाता है.

मांगलिक कार्यों के लिए शुभ दिन है विजयादशी

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक है. इसलिए इस दिन सभी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं. मान्यता है कि इस दिन जो कार्य शुरू किया जाता है उसमें सफलता अवश्य मिलती है. यही वजह है कि प्राचीन काल में राजा इसी दिन विजय की कामना से रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे. इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं, रामलीला का आयोजन होता है और रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है. इस दिन बच्चों का अक्षर लेखन, दुकान या घर का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंडन, अन्न प्राशन, नामकरण, कारण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार आदि शुभ कार्य किए जा सकते हैं. परन्तु विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार निषेध माना गया है. क्षत्रिय अस्त्र-शास्त्र का पूजन भी विजयादशमी के दिन ही करते हैं.

दशहरा पर किया जाता है शस्त्र पूजन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दशहरा के दिन शस्त्र पूजन करने की परंपरा सदियों पुरानी है. आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी को शस्त्र का पूजन किया जाता है. नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के पूजन के बाद दशहरे का त्योहार मनाया जाता है. विजयदशमी पर मां दुर्गा का पूजन किया जाता है. मां दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं. भारत की रियासतों में शस्त्र पूजन धूम-धाम से मनाया जाता था. अब रियासतें तो नही रहीं लेकिन परंपराएं शाश्वत हैं. यही कारण है कि इस दिन आत्मरक्षार्थ रखे जाने वाले शस्त्रों की भी पूजा की जाती है. हथियारों की साफ-सफाई की जाती है और उनका पूजन होता है. ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले कामों का शुभ फल अवश्य प्राप्त होता है. यह भी कहा जाता है कि शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए इस दिन शस्त्र पूजा करनी चाहिए.

नीलकंठ का दिखना क्यों शुभ है?

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि जब श्रीराम रावण का वध करने जा रहे थे, उसी दौरान उन्हें नीलकंठ के दर्शन हुए थे. इसके बाद श्रीराम को रावण पर विजय मिली थी. यही वजह है कि नीलकंठ का दिखना शुभ माना गया है. इस दिन सभी अपने शस्त्रों का पूजन करते है. सबसे पहले शस्त्रों के ऊपर जल छिड़क कर पवित्र किया जाता है फिर महाकाली स्तोत्र का पाठ कर शस्त्रों पर कुंकुम, हल्दी का तिलक लगाकर हार पुष्पों से श्रृंगार कर धूप-दीप कर मीठा भोग लगाया जाता है. शाम को रावण के पुतले का दहन कर विजया दशमी का पर्व मनाया जाता है. इसी तरह की कई और बातें हैं जो दशहरा के दिन की जाती है. इनमें से एक है, इस दिन पान का बीड़ा हनुमानजी के चढ़ाना और उसके बाद इसे खाना. पान हनुमाजी को बहुत पसंद है और इस बार दशहरा मंगलवार को पड़ रहा है इसलिए यह दिन और भी खास हो जाता है.

नवरात्रों की बची पूजन सामग्री का ऐसे करें उपयोग, आएगी सुख-समृद्धि

पूजा में भाव के साथ साथ भक्त के द्वारा भगवन को अर्पित की गई वस्तुओं का भी अपना महत्व होता है। सभी लग अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार भगवन को भेंट एवं सामग्री अर्पण करते हैं। भावना से अर्पण की हुई अल्प वस्तु को भी भगवान सहर्ष स्वीकार करते हैं। ज्यादातर लोग पूजन में जो सामग्री बच जाती है उसे अगले ही दिन पानी में प्रवाहित कर देते हैं। लेकिन इस बात को शायद कम ही लोग जानते होंगे कि बची हुई पूजन सामग्री से भी हम अपने सुख-समृद्धि और वैभव को पा सकते हैं।

दीपावली, गणेशोत्सव या नवरात्र किसी भी देवी-देवता की पूजा के समय जो सामग्री हम अपनी थाली में सजाते हैं, वह शेष रूप में बच ही जाती है। ऐसे में अधिकांश लोग उसे विसर्जित कर देते हैं लेकिन ज्योतिषाचार्यों और विद्वानों के मतानुसार उस सामग्री को फेंकें नहीं बल्कि अपने घर, अलमारी, पूजा स्थल और पॉकेट आदि में सालभर तक रखने से घर में बरकत व सुख-समृद्धि में लाभ मिलता है।

पूजन संपन्न होने के बाद जो अक्षत थाली में शेष रह जाएं उन्हें घर में रखे गेहूं-चावल आदि में मिला दें। इससे घर हमेशा धन-धान्य से परिपूर्ण रहेगा। माता का चुन्नी चुनरी को अपने घर की अलमारी में कपड़ों के साथ रखें ताकि माता के आशीर्वाद से हम नित नए परिधान पहन सकें और माता की कृपा हम पर बनी रहे। पूजा के बाद जो बिंदी-मेहंदी रह जाती है उसे कुंवारी लड़कियों और विवाहित स्त्रियों को लगाना चाहिए। माना जाता है कि इससे कुंवारियों को योग्य वर और विवाहिताओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

नारियल- इसे फोड़कर उसका प्रसाद बांट दें। यदि ऐसा नहीं करना है तो हवन में पूरा नारियल होम दें अन्यथा उसे लाल या सफेद कपड़े में बांधकर पूजा वाले स्थान पर रखें। पूजन से बचे हुए रक्षा सूत्र को घर की अलमारी या दुकान की तिजोरी पर बांध सकते हैं।

पुष्प-हार- इन्हें फेंके नहीं बल्कि घर के मुख्य दरवाजे पर बांध दें। पुष्प हार जब पूरी तरह मुरझा जाएं तो गमले या बगीचे में इन्हें फैला दें। ये नए पौधे के रूप में आपके साथ रहेंगे। किसी भी देवी-देवता

का पूजन बिना कुमकुम के अधूरा माना जाता है। पूजन के बाद बचे हुए कुमकुम को महिलाएं अपनी मांग में लगाएं, इससे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। घर में जब भी कोई नई वस्तु की खरीदारी हो, तब उसका पूजन इसी कुमकुम से करने पर धन-वैभव में वृद्धि की मान्यता है।

गोल सुपारी-जनेऊ- पूजन शुरू करने से पहले प्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा की जाती है। प्रतीकात्मक रूप से हम गणेशजी की स्थापना करते हैं। पान पर कुमकुम से स्वस्तिक बनाकर उस पर गोल सुपारी रखकर जनेऊ पहनाते हैं। पूजन के बाद इन्हें लाल कपड़े में बांधकर रखें ताकि धन की बरकत बनी रहे।

फिलहाल ओटीटी के लिए तैयार नहीं हैं मीजान जाफरी

संजय लीला भंसाली के बैनर तले फिल्म मलाल से बॉलीवुड में कदम रखने वाले एक्टर मीजान जाफरी इन दिनों चर्चा में हैं। फिल्म यारियां 2 को लेकर। एक्टर जावेद जाफरी के बेटे मीजान की पिछली फिल्म हंगामा 2 लॉकडाउन के चलते ओटीटी पर रिलीज हुई थी, मगर मीजान अभी खुद को बड़े पर्दे पर ही देखना चाहते हैं।

यारियां 2 आपकी तीसरी फिल्म है। आप बतौर एक्टर अपने करियर को किस तरह देखते हैं? किस दिशा में ले जाना चाहते हैं?

पहले तो इस सवाल के लिए शुक्रिया। आप पहली इंसान हैं, जिसने ये सवाल पूछा है। मेरी पहली फिल्म मलाल एक रोमांटिक ड्रामा थी। फिर हंगामा 2 कॉमेडी। वहीं, यारियां 2 के बाद मैंने दो और फिल्में की हैं। एक है डायरेक्टर संजय गुप्ता की मिरांडा ब्रदर्स और दूसरी नाना पाटेकर सर के साथ सस्पेक्ट, जिसमें मैं डबल रोल में हूं। मिरांडा ब्रदर्स स्पोर्ट्स क्राइम ड्रामा है तो सस्पेक्ट मर्डर मिस्ट्री थ्रिलर तो मैं कोशिश कर रहा हूं कि हर तरह की फिल्में करूं। मैं देखता हूं कि कौन सी अच्छी फिल्म है, डायरेक्टर कौन है, क्योंकि डायरेक्टर दमदार न हो तो स्क्रिप्ट के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे। इसलिए कोशिश करता हूं कि अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करूं तो वे मुझसे भी अच्छा काम करवा पाएंगे। मेरी कोशिश है कि मैं जितना वर्सटाइल हो सकता हूं, उतना वर्सटाइल काम करूं। आगे भी यही कोशिश रहेगी कि मैं अलग-अलग किरदार निभाऊं।

पुराने दौर के बहुत से लोग मानते हैं कि आज इंडस्ट्री में जगह बनाना ज्यादा आसान है, क्योंकि अब मौके ज्यादा हैं। आपकी इस पर क्या राय है? आपके हिसाब से आज की पीढ़ी के कलाकारों के सामने क्या चुनौतियां हैं?

मैं इससे सहमत नहीं हूं कि आज सब कुछ बहुत आसान है। बेशक ओटीटी की वजह से मौके ज्यादा हैं, पर लोग भी तो बढ़ गए हैं। इस वजह से कॉम्पिटिशन भी बढ़ा है। दूसरे, अब ऑडियंस का एक्सपोजर बढ़ गया है तो अब आप औसत परफॉर्मेंस नहीं दे सकते। आप टॉप लेवल की परफॉर्मेंस देंगे तभी आगे बढ़ पाएंगे। तभी आपको काम मिलेगा। अब हमारा मुकाबला पूरी दुनिया के कॉन्टेंट से है, क्योंकि ओटीटी पर पूरी दुनिया हमारा काम देख रही है, तो आप कामचलाऊ काम नहीं कर सकते। इसलिए आज की पीढ़ी के एक्टर इतने जबरदस्त हैं। पूरी तैयारी से आते हैं। जिस तरह का काम वो कर रहे हैं, उनका अच्छा काम मुझे भी अच्छा करने को प्रेरित करता है।

फिल्म में अपनी चॉइसेज को लेकर आप किसी से सलाह-मशवरा करते हैं?

हमारे घर में सिर्फ मम्मी से सलाह ली जाती है, क्योंकि मम्मी सबसे स्मार्ट हैं। काम या फिल्मों से जुड़े फैसले लेने में मेरे परिवार में मेरी मम्मी सबसे बुद्धिमान हैं। उनमें एक समझ है कि इंडस्ट्री कैसे ऑपरेट करती है। देखिए, आपमें भले ही कितने भी टैलेंट हो, अगर आपने सही फैसले नहीं लिए तो वो आपके करियर को प्रभावित कर सकता है। जैसे मेरे पास ओटीटी के बहुत ऑफर आए, पर मम्मी के सलाह पर मैं रुक गया। मैंने सही मौकों का इंतजार किया जो एक बहुत बड़ा रिस्क भी है। मैं किसी को सलाह नहीं दूंगा कि ऐसा करना चाहिए पर वो एक मां की दिल की आवाज थी जिसे मैंने मान लिया।

तो आप ओटीटी प्रोजेक्ट्स के लिए तैयार हैं या नहीं?

नहीं। मैं एक्टिंग में फिल्मों की वजह से आया हूं। मैंने यूनिवर्सिटी में भी फिल्म मेकिंग पढ़ी है। मुझमें फिल्मों और थिएटर को लेकर एक पक्षपाती नजरिया है। मुझे लगता है कि थिएटर जाकर जो फिल्म देखी जाती है, उसका अलग ही एक्सपीरिएंस होता है। आप अपनी जिंदगी की मुश्किलों को भूलकर दो घंटे के लिए एक दूसरी दुनिया में खो जाते हैं, उन किरदारों से जुड़ जाते हैं। मुझे वो प्रॉसेस पसंद है तो मैं अपनी ऑडियंस को आगे भी वो एक्सपीरिएंस देना चाहूंगा। इसलिए मैं बड़े पर्दे की फिल्मों में ही फिलहाल काम कर रहा है।

यारियां 2 में बतौर एक्टर आपके लिए क्या अलग या नया रहा? यारियां एक बड़ी हिट थी, तो इसके सीक्वल को लेकर किसी तरह का दबाव महसूस कर रहे हैं?

यारियां 2 में मेरा किरदार शिखर रंधावा बहुत ही अलग है। ये लड़का मुस्कुराता ही नहीं है, जबकि मैं असल जिंदगी में बहुत मुस्कुराता हूं। शूटिंग के दौरान मुझे हमेशा खुद को याद दिलाना पड़ता था कि मुस्कुराना नहीं है। इसका बॉडी लैंग्वेज बहुत ही अकड़ा हुआ रहता है, जैसे एक पत्थर है जो हिल नहीं रहा। वह चुप रहता है, पर उसके अंदर बहुत उथल-पुथल चलती रहती है तो ये बहुत ही इंटेंस किरदार है। मैंने पहले ऐसा रोल कभी नहीं किया। रही बात दवाब की, तो मैं ऐसा दबाव नहीं लेता, वरना मैं खुद को हतोत्साहित कर लूंगा। मैं बॉक्स ऑफिस के बारे में ज्यादा सोचता नहीं हूं। मेरा बस ये है कि मुझे अपना सौ फीसदी देना है और मैं उम्मीद करता हूं कि मैंने वो किया है।

आमिर खान के साथ फिर नजर आएंगी फातिमा सना शेख

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान फिल्म सितारे जमीन पर के साथ बॉलीवुड में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने खुलासा किया था कि वह अपनी आगामी फिल्म में अभिनय के साथ-साथ निर्माण के लिए भी तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा आमिर के पाइपलाइन में कई सारी फिल्में हैं। एक निर्माता के तौर पर आमिर ने एक नया प्रोजेक्ट लॉक कर लिया है। कथित तौर पर, वह अपनी फिल्म दंगल की को-स्टार फातिमा सना शेख के साथ फिर से वापस आ रहे हैं।

आमिर की फिल्म में नजर आएंगी फातिमा

आमिर खान और फातिमा सना शेख ने वर्ष 2016 में फिल्म दंगल में स्क्रीन साझा की थी। जो उस वर्ष की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। अब एक रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान ने फातिमा सना शेख को अपने अगले प्रोडक्शन प्रोजेक्ट के लिए साइन किया है। फिलहाल फिल्म का टाइटल फाइनल नहीं हुआ है। फातिमा के साथ फिल्म में कई कलाकार नजर आएंगे।

अद्वैत चंदन करेंगे फिल्म का निर्देशन

इसके साथ ही इस फिल्म को निर्देशित करने के लिए सीक्रेट सुपरस्टार के निर्देशक अद्वैत चंदन को भी साथ लाया गया है। वहीं आमिर खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार वह फिल्म लाल सिंह चड्ढा में करीना कपूर खान के साथ नजर आए थे। लाल सिंह चड्ढा को बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इस फिल्म के बाद वह अब सितारे जमीन पर से अपना कमबैक करेंगे।

'द नक्सल स्टोरी' की शूटिंग शुरू हुई, मिलिट्री लुक में डायलॉग बोलती नजर आईं अदा शर्मा

एक्ट्रेस अदा शर्मा को आखिरी बार हिट फिल्म द केरल स्टोरी में देखा गया था। उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। एक्ट्रेस एक बार फिर द केरल स्टोरी के प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह और सुदीप्तो सेन के साथ काम कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग महूर्त पूजा के साथ शुरू हुई और उसके बाद लोकेशन पर पहले दिन की शूटिंग हुई। जैसे ही फिल्म की शूटिंग शुरू हुई, अदा शर्मा ने फिल्म के लिए अपना पहला डायलॉग बोला। इस दौरान वो मिलिट्री पैंट, एक काली कमांडो टी-शर्ट और एक कमांडो जैसा बंधना पहनें दिखाई दे रही थीं। इससे वाकई फिल्म देखने का उत्साह बढ़ गया है। 'द नक्सल स्टोरी' सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा और इसे लास्ट मॉन्क मीडिया की मदद से बनाया जाएगा। यह फिल्म 5 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी।

नए प्रोजेक्ट पर करेंगे एक साथ काम

फिल्म द केरल स्टोरी एक वास्तविक कहानी से प्रेरित थी। इसमें दिखाया गया था कि कैसे निर्दोष गैर-मुस्लिम लड़कियों को इस्लामिक स्टेट के लिए भर्ती किया गया था। फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म के प्रोड्यसर विपुल अमृतलाल शाह, डायरेक्टर सुदीप्तो सेन और एक्ट्रेस अदा शर्मा थीं। ये टीम अब अ' द नक्सल स्टोरी' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

टाइगर 3 में सलमान खान के लिए पहली बार गाएंगे अरिजीत सिंह

गायक अरिजीत सिंह और सुपरस्टार सलमान खान के बीच विवाद खत्म हो गया है। अब अरिजीत टाइगर 3 में अपनी गायकी का जलवा बिखेरेंगे। वाईआरएफ प्रमुख आदित्य चोपड़ा ने टाइगर 3 के दो गानों के लिए अरिजीत को चुना है। अरिजीत का पहला गाना लेके प्रभु का नाम सोमवार को रिलीज होगा। यह एक डांस नंबर है जिसमें सलमान और कैटरीना कैफ हैं। वहीं दूसरा गाना एक रोमांटिक ट्रैक है जो दर्शकों और प्रशंसकों के दिलों को छू जाएगा। निर्देशक मनीष शर्मा ने कहा, हम लेके प्रभु का नाम के अगले सप्ताह रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकते। यह एक अनोखा पार्टी ट्रैक है और इसमें सलमान के स्वैग के साथ अरिजीत की आवाज का होना खास है। साथ ही कैटरीना की सुंदरता इसे हर किसी को नाचने पर मजबूर करने का परफेक्ट फॉर्मूला बनाती है। संगीत निर्देशक प्रीतम ने कहा, यह एक ऐसा सहयोग है जो मैं होने की प्रतीक्षा कर रहा था। सलमान खान सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक हैं और अरिजीत सिंह हमारी पीढ़ी के शीर्ष गायक हैं। इन दोनों दिग्गजों का एक गाने के लिए एक साथ आना लंबे समय से अपेक्षित था और हम रोमांचित हैं कि यह टाइगर 3 के लिए हो रहा है। टाइगर 3 इसी साल 12 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा 2 की अटकलों पर अभय देओल ने लगाया विराम

फरहान अख्तर ने बीते दिन अपने एक पोस्ट के जरिए सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी। फरहान ने इमरान पोज में एक तस्वीर साझा कर जिंदगी ना मिलेगी दोबारा 2 की ओर इशारा किया था। इतना ही नहीं इस पर जोया अख्तर, ऋतिक रोशन और अभय देओल भी प्रतिक्रिया देकर फैंस का दिल जीतते नजर आए थे। हालांकि, फिल्म का ख्वाब देख रहे फैंस को अभय ने अब तगड़ा झटका दिया है। अभिनेता ने अपने हालिया पोस्ट के जरिए सीक्वल की सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। अभय देओल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मीम साझा किया है। यह मीम जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के दूसरे पार्ट की खबरों को सिरे से खारिज करता है। वहीं, यह मीम देखकर फैंस का दिल टूट गया है। गुरुवार को, अभय देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें ऋतिक रोशन के किरदार अर्जुन सलूजा का सामना इमरान कुरेशी यानी फरहान अख्तर से होता है, जब वह अर्जुन का फोन चलती कार से बाहर फेंक देता है। हालांकि, मीम में, ऋतिक रोशन के डायलॉग को थोड़ा बदल दिया गया है। तस्वीर में ऋतिक का डायलॉग पढ़ा जा रहा है, मुझे बताओ कि हम जिंदगी ना मिलेगी दोबारा 2 बना रहे हैं। फिर कहा कि यह सिर्फ एक मजाक था। यह मजाक नहीं है। अभय देओल का पोस्ट देखने के बाद कुछ नेटिजन्स निराश हो गए। एक ने टिप्पणी कर लिखा, मुझे उम्मीद है कि यह मजाक नहीं है। दूसरे ने लिखा, बस करो। वहीं, एक अन्य लिखते हैं, कृपया हमारी भावनाओं के साथ इस तरह न खेलें। सीक्वल के बारे में अटकलें तब तेज हो गईं जब फरहान अख्तर ने एक तस्वीर पोस्ट की और इसे कैप्शन दिया, इमरान का लुक पूरी तरह से सामने आया है। क्या कहती हैं जोया अख्तर...? क्या ब्वॉयज को दूसरी रोड ट्रिप पर जाना चाहिए। इस पर ऋतिक रोशन, जोया अख्तर और अभय देओल अपनी सहमति जताते नजर आए थे। जोया अख्तर द्वारा निर्देशित, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में कल्कि कोचलिन, अभय देयोल, रितिक रोशन, फरहान अख्तर और कैटरीना कैफ समेत अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

घरवाले चाहते थे रेलवे में नौकरी करूं

मिडिल क्लास फैमिली के लड़कों से परिवार वालों की अक्सर एक ही उम्मीद होती है। बेटा या तो फैमिली बिजनेस कर ले या फिर कोई 9 से 5 वाली नौकरी। ऐसे ही एक मिडिल क्लास परिवार में जन्मे राज शांडिल्य के परिवार को भी उनसे ऐसी ही उम्मीदें थीं, पर राज जानते थे कि वो क्या कर सकते हैं और क्या नहीं... यही वजह रही कि उन्होंने 9 से 5 की नौकरी करके सिर्फ अपनी जरूरतें पूरी करने के बजाय अपनी इच्छाएं पूरी करने के लिए स्ट्रगल किया। उनका यह स्ट्रगल वेस्ट भी नहीं गया क्योंकि बतौर राइटर-डायरेक्टर उनकी पहली ही फिल्म 'ड्रीमगर्ल' ने उन्हें बॉलीवुड में इस्टैबलिश्ड राइटर-डायरेक्टर बना दिया। मैं झांसी में ही पैदा हुआ और मैंने 12वीं तक की पढ़ाई भी झांसी से ही की। 12वीं के बाद लड़कों से अक्सर नौकरी की उम्मीदें की जाती हैं। दूसरी मिडिल क्लास फैमिली के पेरेंट्स की तरह मेरे पेरेंट्स भी चाहते थे कि मैं कुछ करूं। ऐसे घरों में तय रहता है कि लड़का होगा तो इंजीनियर बनेगा, लड़की होगी तो डॉक्टर बनेगी। बाकी प्रोफेशनल कोर्सेस का कोई स्कोप था नहीं झांसी में उस वक्त.. तो 12वीं के बाद बड़ी समस्या थी कि मैं क्या करूं। मेरी पूरी फैमिली रेलवे में थी तो सब चाहते थे कि मैं रेलवे जॉइन कर लूं।

सिंघम अगेन में हुई टाइगर श्रॉफ की एंट्री

अजय देवगन, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार के बाद अब रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म सिंघम अगेन में कई बड़े सितारे जुड़ रहे हैं। दीपिका पादुकोण के बाद अब टाइगर श्रॉफ भी फिल्म में पुलिस वाले का दमदार रोल निभाने वाले हैं। इस अनाउंसमेंट के साथ ही रोहित शेट्टी ने टाइगर का पहला लुक जारी कर दिया है। कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन और करीना कपूर लीड रोल में हैं, जिनके साथ फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट से टाइगर श्रॉफ की 3 तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है, मिलिए स्पेशल टास्क फोर्स ऑफिसर ACP सत्या से। एक सच की तरह अमर। तुम्हारा हमारी टीम में स्वागत है टाइगर। इसके पहले रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से दीपिका पादुकोण का फर्स्ट लुक रिवील किया था। फर्स्ट लुक में दीपिका पुलिस की वर्दी में बेहद खतरनाक लग रही थीं। जहां एक तस्वीर में वे हाथ में गन पकड़े मुस्कुरा रही थीं, वहीं दूसरी तस्वीर में वे गुंडों को मारती दिख रही थीं। फिल्म में दीपिका पुलिस ऑफिसर शक्ति शेट्टी का रोल प्ले करेंगी।

कॉप यूनिवर्स के तीनों किरदारों के साथ बनेगी सिंघम अगेन

सिंघम फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म सिंघम अगेन में रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स के तीनों हीरो अजय, अक्षय और रणवीर एक साथ नजर आएंगे। उनके कॉप यूनिवर्स में फिल्म सिंघम, सिंघम रिटर्न, सूर्यवंशी और सिंबा शामिल हैं। इस फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म सिंघम थी, जिसे 2011 में रिलीज किया गया था। इसमें अजय देवगन ने पुलिस ऑफिसर बाजीराव सिंघम का रोल प्ले किया था। इसकी सीक्वल फिल्म सिंघम रिटर्न 2014 में रिलीज हुई थी, जिसकी तीसरी फिल्म 2024 में रिलीज हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011